दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-15 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) गुरूवार 19 फरवरी 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ का बजट पेश किया

कोई नया टैक्स नहीं, 2 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

गरीब, युवा, अन्नदाता, नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियलाइजेशन पर सरकार का फोकस , 10 लाख नए पीएम आवास; बच्चों को स्कूलों में मिलेगा दूध और 15 हजार शिक्षकों की भर्ती

भोपाल (ए.)। मप्र के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बुधवार को डॉ. मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 का ये बजट 4 लाख 38 हजार 317 करोड़ रुपए का है। देवड़ा ने कहा कि ये बजट ग्यानी के स्वरूप में है। इसमें गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), नारी, इंफ्रास्ट्रक्चर और इंडस्ट्रियलाइजेशन पर फोकस है। इनके लिए 3 लाख करोड़ रुपए यानी कुल बजट के करीब 9 प्रतिशत हिस्से का प्रावधान किया गया है। देवड़ा ने कहा मप्र में यह पहला रोलिंग बजट है। 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए 3600 करोड़ का विशेष प्रावधान किया गया है। विधायक निधि नहीं बढ़ाने पर विपक्ष ने हंगामा कर दिया। स्व-सहायता समूह, उज्ज्वला योजना समेत नारी कल्याण की विविध योजनाओं के लिए 1 लाख 27 हजार 555 करोड़ के प्रावधान किए हैं। वर्किंग वूमन के लिए 5700 हॉस्टल बनाए जाएंगे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास के लिए 40062 करोड़ रुपए की घोषणा की। लाड़ली बहनों के लिए 23,882 करोड़ के प्रावधान का ऐलान किया। युवाओं के लिए 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया। 8वीं तक के बच्चों को फ्री टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा की।

अर्थव्यवस्था मजबूत, घाटा भी नियंत्रण में

सरकार ने दावा किया कि वर्ष 2011-12 से 2025-26 तक प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद में औसतन 12.73 प्रतिशत वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2025-26 के लिए जीएसडीपी का पुनरीक्षित अनुमान 16 लाख 69 हजार 750 करोड़ रुपए है। वहीं राजकोषीय घाटा 74 हजार 323 करोड़ रुपए यानी जीएसडीपी का 4.45 प्रतिशत अनुमानित है। हालांकि केंद्र से मिलने वाली विशेष सहायता राशि को अलग रखने पर यह 3 प्रतिशत की निर्धारित सीमा के अनुरूप बताया गया है। इसे वित्तीय अनुशासन का संकेत माना जा रहा है।

पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत बढ़ा बजट

पहली बार डिजिटल बजट पेश किया गया

एमपी में पहली बार डिजिटल बजट पेश किया गया है। बजट में हर वर्ग को ध्यान में रखा गया है। मध्य प्रदेश विकसित भारत बनाने में अपना योगदान दे रहा है। मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा- हर युवा को रोजगार और हर उपज को दाम उपलब्ध कराना हमारी सरकार का लक्ष्य है। वित्तमंत्री का भाषण शुरू होने से पहले ओमकार सिंह मरकाम ने विरोध भी जताया।

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में बजट का आकार 11 प्रतिशत बढ़ा है। राजस्व व्यय 3 लाख 8 हजार 659 करोड़ रुपए और पूंजीगत व्यय 80 हजार 266 करोड़ रुपए प्रस्तावित है। सामाजिक और आर्थिक उत्थान की योजनाओं के लिए 1 लाख 83 हजार 708 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 26 प्रतिशत और अनुसूचित जाति वर्ग के लिए 17 प्रतिशत राशि सुरक्षित की गई है।

शिक्षा के लिए 31953 करोड़ रुपए का प्रावधान

106156 करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं। कृषि क्षेत्र के लिए 115013 करोड रुपए का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 24144 शिक्षा के लिए 31953 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। वन भूमि से अतिक्रमण हटाकर पौधारोपण के लिए समृद्धि वन वन वृद्धि से जन समृद्धि कृषि विभाग की योजना।

उज्जैन में एलिवेटेड कॉरिडोर के लिए 1000 करोड़

द्वारिका योजना के अंतर्गत आगामी 5 वर्ष में शहरी अधोसंरचना विकास पर किए जाएंगे। उज्जैन में एलिवेटेड कॉरिडोर के निर्माण के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इंदौर पीथमपुर इकोनामिक कॉरिडोर परियोजना के विकास के लिए 2360 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। महाकौशल क्षेत्र में जबलपुर में 350 करोड़ की लागत में फ्लाई ओवर बनाए जाएंगे।

किसानों को 25 हजार करोड़ का अल्पकालीन ऋण

बजट में पशुपालन के लिए 2364 करोड़ का प्रावधान किया गया है। किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन ऋण दिलाया जाएगा। बिना ब्याज का ऋण दिलाने के लिए 720 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कृषि क्षेत्र के लिए 1.15 लाख करोड़ का प्रावधान किया गया है। भावांतर योजना के तहत किसानों को 337 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। किसानों को एक लाख सोलर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जाएंगे। 21630 करोड़ रुपये की मजरा टोला सडक़ योजना प्रस्तुत की गई। एमपी देश का तीसरा युवा प्रदेश, यहां 28 प्रतिशत युवा हैं।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस

आगामी बजट में महिला सशक्तिकरण की प्रमुख योजना लाड़ली बहना योजना के लिए 23 हजार 800 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। प्रदेश की करीब 1 करोड़ 25 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़ी हैं। उन्हें हर महीने 1500 रुपए मिलते रहेंगे। वित्त मंत्री ने कहा कि हर नारी को न्याय देना सरकार का मूल उद्देश्य है और यह बजट महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कदम है।

प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगेगा

वित्तमंत्री ने विधानसभा में 438317 करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने 106156 करोड़ रुपए से अधिक का पूंजीगत व्यय बताया। 44.42 करोड़ रुपये राजस्व आधिक्य। राज्य स्वयं के करों से 117667 करोड़ रुपए जुटाएगा। केंद्रीय करों के हिस्से में प्रदेश को 112137 करोड रुपए मिलेंगे। इसके साथ ही केंद्रीय सहायता अनुदान 54505 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। वित्तमंत्री ने कहा कि यह बजट पीएम के सपने को साकार करने वाला है। उन्होंने बजट भाषण की शुरुआत में ही कहा कि एमपी का बजट किसानों को समर्पित है। मध्य प्रदेश में कोई नया टैक्स नहीं लगाया जाएगा और न ही वर्तमान में किसी टैक्स में कोई बढ़ोतरी की गई है। वित्त मंत्री देवड़ा ने जी राम जी के लिए 10428 करोड़ और पीएम जनमन के लिए 900 करोड़ रुपए के प्रावधान का ऐलान किया। वहीं, 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने की घोषणा की।

गांव, किसान और युवा के बाद ज्ञानी पर फोकस

देवड़ा ने बताया कि पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 40 हजार 62 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सडक़ों की मरम्मत के लिए 12 हजार 690 करोड़ रुपए और जल जीवन मिशन के लिए 4 हजार 454 करोड़ रुपए रखे गए हैं। सरकार ने 1 लाख किसानों को सोलर पंप देने और 15 हजार शिक्षकों की भर्ती का ऐलान किया है।

आठवीं तक के बच्चों को मुफ्त टेट्रा पैक दूध देने की घोषणा भी की गई है। वहीं देवड़ा ने कहा कि इससे पहले सरकार गरीब, युवा, किसान महिला और (ज्ञान) के बाद सरकार अब आई यानि इंडस्ट्री और इंफ्रास्टक्चर को भी शामिल किया गया है। जिसे ज्ञान के बाद ज्ञानी के रुप में जाना जाएगा।

2 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

लगातार दूसरे वर्ष सरकार ने किसी नए कर या कर दर में वृद्धि का प्रस्ताव नहीं रखा है। वर्ष 2026-27 में कुल राजस्व प्राप्तियां 3 लाख 8 हजार 703 करोड़ रुपए अनुमानित है। राज्य करों से 1 लाख 17 हजार 667 करोड़ और केंद्रीय करों में हिस्सेदारी से 1 लाख 12 हजार 137 करोड़ रुपए मिलने का अनुमान है। सरकार ने स्वयं के कर राजस्व में 17.64 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान जताया है। वहीं मोहन सरकार ने विकसित एमपी 2047 के विजन के तहत प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 2 ट्रिलियन तक पहुंचाने का लक्ष्य दोहराया है। सरकार का दावा है कि यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर और समावेशी मध्य प्रदेश की दिशा में ठोस कदम है।मध्य प्रदेश की बीजेपी सरकार की मास्टर स्ट्रोक लाड़ली बहना योजना पूरी रफ्तार से चलेगी। अभी लाड़ली बहनों को डेढ़ हजार रुपये प्रति माह मिल रहे हैं। सरकार की योजना इस राशि को धीरे-धीरे बढ़ाकर 3 हजार करने की है। बुधवार को सरकार द्वारा लाए गए मध्य प्रदेश के बजट 2026-27 बजट में इसकी झलक दिखती है।

केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट - 2026 में डीएफपीडी पवेलियन का वॉकथ्रू किया।

पाकिस्तान को लगेगा एक और झटका, सिंधु के बाद अब रावी का भी पानी रोकेगा भारत

नई दिल्ली(आरएनएस)। सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद भारत अब पाकिस्तान को एक और बड़ा झटका देने की तैयारी में है। केंद्र सरकार रावी नदी के भारत के हिस्से के पानी को पाकिस्तान जाने से रोकने की दिशा में कदम बढ़ा रही है। यदि

यह योजना लागू होती है तो गर्मियों के दौरान पाकिस्तान में जल संकट और गहरा सकता है।पंजाब और जम्मू-कश्मीर की सीमा पर बन रही शाहपुर कंडी बांध परियोजना अब लगभग पूरी होने के करीब है। बताया जा रहा है कि इस परियोजना के पूरा होने के बाद रावी नदी के अतिरिक्त पानी को पाकिस्तान की ओर बहने से रोका जा सकेगा।जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राना ने कहा कि बांध के पूरा होते ही रावी के अतिरिक्त जल को कठुआ और सांबा जैसे सूखाग्रस्त जिलों की ओर मोड़ा जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट में ममता सरकार ने कहा, ईडी को हथियार के रुप में इस्तेमाल किया जा रहा

-सीजेआई ने कहा, किसका हथियार और कौन धमका रहा....ये हमें तय करने दें

नई दिल्ली,(ए)। पश्चिम बंगाल में आई-पैक से जुड़े ईडी की छापेमारी मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान ममता सरकार ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) का उन राज्यों में हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रही है, जहां विरोधी दलों की सरकार है।वहीं केंद्रीय एजेंसी ने पलटवार कर कहा कि हम किसी के हथियार नहीं हैं। बल्कि बंगाल में ममता सरकार ने हमें धमकाया। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच बहस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसका हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है और किसे धमकाया जा रहा है, यह हम तय करने वाले है।बात दें कि ईडी ने आई-पैक रेड मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की थी। ईडी का आरोप है कि 8 जनवरी को आई-पैक के ऑफिसों पर रेड के दौरान सीएम ममता बनर्जी और बंगाल पुलिस के अधिकारियों ने उनकी कार्रवाई में बाधा डाली।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई 18 मार्च तक टाल दी है। इससे पहले 3 फरवरी को सुनवाई टाली गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 15 जनवरी को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री का ईडी की जांच में बाधा डालना बहुत गंभीर मुद्दा है।आई-पैक यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है। यह राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है। कंपनी और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन पर करोड़ों रुपए के कोयला चोरी घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप है।

रोबोट डॉग विवाद पर राहुल गांधी ने कहा- एआई समिट एक अव्यवस्थित तमाशा

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इंडिया एआई इंपैक्ट समिट में एक यूनिवर्सिटी की तरफ से चीनी रोबोट डॉग प्रदर्शित किए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे एआई समिट एक अव्यवस्थित पीआर तमाशा बताया है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, भारत की प्रतिभा और डेटा का लाभ उठाने के बजाय एआई शिखर सम्मेलन एक अव्यवस्थित पीआर तमाशा है। भारतीय डेटा बेचा जा रहा है और चीनी उत्पाद प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इससे पहले, कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, एआई को लेकर सरकार ने देश की छवि को पूरी दुनिया में हास्यास्पद बना दिया है। अभी चल रहे एआई समिट में चीनी रोबोट को हमारे अपने रोबोट के तौर पर दिखाया जा रहा है। चीनी मीडिया ने हमारा मजाक उड़ाया है। यह सच में भारत के लिए शर्मनाक है। पार्टी ने आगे लिखा, इससे भी ज्यादा शर्मनाक बात यह है कि सरकार के मंत्री अश्विनी वैष्णव भी इसी झूठ में शामिल हैं ।

किसान कल्याण वर्ष में पशुपालन और दूध उत्पादन से बढ़ाएंगे किसानों की आय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में ग्वालियर जिले के कुलैथ में विशाल किसान सम्मेलन आयोजित

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए दृढ़संकल्पित होकर कार्य कर रहे है। मध्यप्रदेश विधानसभा में 4 लाख 38 हजार करोड़ रुपए से अधिक का ऐतिहासिक बजट प्रस्तुत किया गया है। कृषि कल्याण वर्ष में प्रदेश के किसानों के लिए एक लाख करोड़ से अधिक राशि का प्रावधान किसान हितैषी योजनाओं के लिये किया गया है। प्रदेश सरकार का किसानों के कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का यह प्रमाण है। उन्होंने कहा गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी कल्याण के साथ हम प्रदेश को प्रगति पथ पर आगे बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि उत्पादन में लंबे समय से अग्रणी है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने पशुपालन और दूध उत्पादन बढ़ाने का संकल्प लिया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना से प्रदेश में दूध उत्पादन को 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को किसान कल्याण वर्ष के उपलक्ष में ग्वालियर जिले में भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि ग्राम कुलैथ में आयोजित हुए विशाल किसान सम्मेलन में किसान भाईयों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने 87 करोड़ 21 लाख रुपए से अधिक लागत के 41 विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। साथ ही कुलैथ क्षेत्र के विकास के लिये बड़ी-बड़ी सौगातों की घोषणा भी की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी देने के लिये लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।किसानों की पट्टों वाली जमीन की अपने खर्चे पर सरकार कराएगी रजिस्ट्रीमुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की जमीन के पट्टों की रजिस्ट्री का पूरा खर्च सरकार उठाएगी, इसके लिए बजट में पर्याप्त धनराशि का प्रावधान किया गया है। इससे किसानों को बैंकों से योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए सरकार द्वारा हर संभव कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के किसानों को सोलर पंप वितरित कर उन्हें बिजली उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। बुंदेलखंड की केन-बेतवा लिंक परियोजना का लाभ चंबल क्षेत्र के किसानों को भी मिलने वाला है। सिंचाई की सुविधा मिलने से यहां खेतों में फसलें लहलहाएंगी।

शिक्षा को जीवन के अनुभवों से जोड़ते हुए समयानुकूल बनाना आवश्यक : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में सक्षम शिक्षा व्यवस्था ही देश के लिए उपयुक्त

प्रदेश में उपलब्ध बजट को पांच साल में दोगुना करने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार कर रही है कार्य

भोपाल,(निप्र.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि शिक्षा को जीवन के अनुभवों से जोड़ते हुए समयानुकूल बनाना आवश्यक है। व्यक्ति को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने में सक्षम शिक्षा व्यवस्था ही देश को समृद्ध और सशक्त बनाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में लागू राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन्हीं उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में सार्थक प्रयास है। शिक्षा व्यवस्था की जटिलता को कम करना भी नीति का उद्देश्य है। प्रसन्नता का विषय है कि मध्यप्रदेश, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में देश में अग्रणी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कर्मयोगी बनें की सर्वोच्च परामर्शदात्री समिति की एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ माँ सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित कर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे विश्वविद्यालय केवल डिग्री प्रदान करने के केंद्र नहीं है, राष्ट्र के भविष्य की कार्यशालाएं हैं। भगवद्गीता में कहा गया है कि कर्म को उत्कृष्टता और दक्षता के साथ करना ही योग है। आज जब हम कर्म योगी शिक्षाविद् की बात करते हैं, तो हम केवल एक आदर्श नहीं गढ़ रहे, बल्कि एक ऐसे शैक्षणिक वातावरण का निर्माण करना चाहते हैं, जहाँ शिक्षक केवल पाठ न पढ़ाए, बल्कि प्रेरणा दें। संस्थान नियमों के साथ उद्देश्य पूर्ति के लिये संचालित हों। विद्यार्थी केवल नौकरी न खोजें, बल्कि राष्ट्र-निर्माण में भागीदार बनें। हमें शिक्षण को अधिक प्रासंगिक और जीवन सापेक्ष बनाना होगा। अनुसंधान की सामाजिक उपयोगिता पर भी और ध्यान अपेक्षित है। डिग्री और रोजगार के बीच जो दूरी है, उसे हमें खत्म करना होगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा प्रदेश कृषि प्रधान राज्य है, इसे दृष्टिगत रखते हुए सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में कृषि संकाय आरंभ किया गया है। प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों का लगातार विस्तार हो रहा है। इससे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित उद्योगों में अलग-अलग दक्षता वाले कर्मियों की आवश्यकता है। राज्य सरकार ऐसे क्षेत्रों में उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप वहां के इंजीनियरिंग कॉलेजों, पॉलिटेक्निक, आईटीआई आदि तकनीकी संस्थाओं में कोर्स आरंभ कर रही है। इससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और युवा अपनी क्षमता और योग्यता का बेहतर उपयोग कर सकेंगे। इन्हीं गतिविधियों से कर्मयोगी बनने का स्वप्न साकार होगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में उपलब्ध बजट को 5 वर्ष में दोगुना करने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकार कार्य कर रही है। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए चरणबद्ध रूप से पांच लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। हर वर्ष एक क्षेत्र पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। इस क्रम में वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था से सम्बद्ध 16 विभागों के लक्ष्य समग्र रूप से तय किए गए हैं। इससे किसान की आय को दोगुना करने का राज्य सरकार का संकल्प भी पूर्ण होगा।

सरकार का बजट सर्व समावेशी और लोककल्याणकारी है : उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

भोपाल,(निप्र.)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा है कि राज्य सरकार का यह बजट सर्व समावेशी, लोक कल्याणकारी और प्रदेश के विकास को तेज गति देने वाला बजट है। बजट में गरीब, महिला, युवा, किसान, इन्फ्रास्ट्रक्चर और उद्योग जगत सहित सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए व्यापक प्रावधान किए गए हैं, यह बजट प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने में सहायक सिद्ध होगा। श्री परमार ने कहा कि यह बजट मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के दूरदर्शी संकल्प को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण बजट है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि यह बजट आमजन के जीवन में खुशहाली, आनंद और समृद्धि लाएगा। शिक्षा क्षेत्र के लिए बजट में किए गए प्रावधान अद्भुत और प्रसंशनीय है। तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा और आयुष विभाग में कार्यों के लिए भी बेहतर आवंटन किए गए हैं। यह बजट राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में, शिक्षा के उच्च मूल्यों को स्थापित करने, शिक्षा की गुणवत्ता और कौशल आधारित तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देगा। रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए पाठ्यक्रम तैयार करने में सहायक होगा।

जनगणना - 2027 के संबंध में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित

भोपाल,(निप्र.)। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना 2027 को पूर्णत: डिजिटल मोड में संपादित करने से संबंधित प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा की गई तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर पी सी शाक्य, जिला जनगणना अधिकारी भुवन गुप्ता, एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित समिति के सदस्यगण एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।जनगणना कार्य निदेशालय संयुक्त निदेशक नमित यादव, सहायक निदेशक श्रीमती ऐन्सी रेजी द्वारा प्रथम चरण मकान सूचीकरण के जिला स्तरीय प्रशिक्षण में प्रथम चरण (01 से 30 मई तक) में की जानी वाली आवश्यक कार्यवाही संबंधी प्रशिक्षण दिया। साथ ही जिला प्रभारी द्वारा महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। बैठक में डिजिटल जनगणना प्रक्रिया, डाटा की शुद्धता एवं पारदर्शिता, प्रभावी कार्य प्रणाली एवं निगरानी व्यवस्था। जनगणना कार्यक्रम: प्रथम चरण (मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना) - 1 मई से 30 मई 2026, द्वितीय चरण (जनसंख्या गणना) फरवरी 2027 से प्रारंभ की जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देशित किया कि जनगणना कार्य को पूर्ण गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ समय-सीमा में संपादित किया जाए,। जिला स्तर पर मानव संसाधन, मकान सूचीकरण ब्लॉक (एच एल बी) एवं दलों के गठन कर उनका प्रशिक्षण समय-सीमा में सुनिश्चित किया जाए ताकि निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति नियत समय में सुनिश्चित हो सके।

खाद्य सुरक्षा विभाग व्दारा विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण कर नमूना लेने की कार्यवाही

भोपाल,(निप्र.)। आमजन को शुद्ध एंव गुणवत्तापूर्ण खाद्य पदार्थों की सुगम उपलब्धता हेतु खाद्य सुरक्षा प्रशासन विभाग, जिला भोपाल व्दारा नगर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिये गये।मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण कर नमूना लेने की कार्यवाही की गई। इसी क्रम में करोंद चौराहा स्थित दीनदयाल रसोई से आलू मटर की सब्जी, गेंहू आटे की रोटी एंव पका चावल, डी. के. राजोरिया रेस्टोरेंट जे. के. रोड से तुअरदाल, मूंगदाल, चनादाल, सोयाबीन तेल, आई.आई. एस.ई. आर. केम्पस भौंरी स्थित मैस 5 के संचालनकर्ता फर्म आई.एस. औबेरोय से बेसन, मसूरदाल, चनादाल, तुअरदाल के नमूने निरीक्षण दौरान लिये गये।

ग्वालियर के डॉक्टर की शर्मनाक करतूत... इलाज के बहाने भोपाल लाकर महिला से दुष्कर्म

भोपाल,(निप्र.)। ग्वालियर के एक डॉक्टर ने इलाज के बहाने महिला मरीज को भोपाल लाकर उससे दुष्कर्म किया। डॉक्टर सात महीने से महिला के चर्म रोग का इलाज कर रहा था।

सुधार न होने पर वह 14 फरवरी को उसे टेस्ट व विशेषज्ञ डॉक्टर से इलाज के लिए भोपाल लेकर पहुंचा। यहां डॉक्टर इलाज के लिए अस्पताल की बजाए होटल लेकर पहुंच गया और दवाई के साथ नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। बाद में बेहोशी का फायदा उठाकर उससे दुष्कर्म किया। महिला ने तुरंत अपने पति को फोन कर घटना बताई। शिकायत पर एमपी नगर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एसआइ अर्चना तिवारी ने बताया कि 30 वर्षीय महिला ग्वालियर की रहने वाली है। वहां के ही डॉक्टर अमरीश सेंगर से सात महीने पहले उसने चर्मरोग का इलाज कराना शुरू किया। इस दौरान सुधार नहीं हुआ तो डॉक्टर अमरीश ने कहा कि आगे के इलाज के लिए हमें भोपाल जाकर विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाना होगा।

मंत्री चैतन्य काश्यप ने एमएसएमई की विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता कर आवश्यक निर्देश दिये।

मप्र पावर जनरेटिंग कंपनी ने सीधी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत चयनित 180 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र किए जारी

भोपाल,(निप्र.)। मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी ने राज्य की विद्युत उत्पादन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की के लिये सीधी भर्ती प्रक्रिया अंतर्गत चयनित 180 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी कर दिए हैं। चयनित अभ्यर्थियों के नियुक्ति प्रत्र कंपनी की वेबसाइट https://www.mppgcl.mp.gov.in के 'Career' अनुभाग में अपलोड कर दिए गए हैं।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य की विद्युत कंपनियों में सीधी भर्ती के माध्यम से नियमित अंतराल में रिक्त पदों पर कार्मिकों को चयनित किया जा रहा है। पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा 7 जुलाई-2025 को 18 विभिन्न पदों (वर्ग-2, वर्ग-3 एवं वर्ग-4) पर रिक्तियों की पूर्ति के लिये भर्ती विज्ञापन जारी किया गया था। कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT) का आयोजन 3 से 5 नवंबर 2025 के बीच राज्य के विभिन्न शहरों के परीक्षा केंद्रों पर सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। तत्पश्चात दस्तावेज सत्यापन एवं निर्धारित पदों के लिये शारीरिक दक्षता परीक्षा के उपरांत अंतिम चयन सूची जारी की गई।

जारी आदेशानुसार चयनित 180 अभ्यर्थियों में सहायक अभियंता (यांत्रिकी) 9, सहायक अभियंता (इलेक्ट्रिकल) 5, सहायक अभियंता (इलेक्ट्रानिक्स) 7, सहायक अभियंता (सिविल) 19, पाली रसायनज्ञ 10, कार्मिक अधिकारी 2, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र - अभियांत्रिकी) 3, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र - इलेक्ट्रिकल) 7, कनिष्ठ अभियंता (संयंत्र - इलेक्ट्रानिक्स) 2, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) 18, संयंत्र सहायक (अभियांत्रिकी) 41, संयंत्र सहायक (इलेक्ट्रिकल) 27,कार्यालय सहायक (श्रेणी-3) 13, भंडार सहायक 2, कनिष्ठ शीघ्रलेखक 5, अग्निशामक 3, सुरक्षा सैनिक 5, वार्ड बॉय 2 शामिल हैं। नियुक्ति पत्रों में अभ्यर्थियों के लिए पदस्थापना स्थल, रिपोर्टिंग की तिथि, समय-सीमा और आवश्यक दस्तावेजों का विस्तृत विवरण उल्लिखित है, जिन्हें संबंधित कार्यालय में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। सभी अभ्यर्थियों से आग्रह किया गया है कि वे उक्त निर्देशों को भलीभाँति पढ़ कर और दस्तावेज़ों को तैयार कर निर्देशित कार्यस्थल पर समय-सीमा से पूर्व रिपोर्ट करें।

भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा की मौत की जांच के लिए एसआईटी का गठन

भोपाल(निप्र.)। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) की प्रथम वर्ष एमबीबीएस छात्रा रोशनी कलेश (19) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। रोशनी का शव करीब एक सप्ताह पहले उसके निजी पीजी हॉस्टल के वाशरूम में मिला था, जिसके बाद से मामले को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार तीन महिला पुलिस अधिकारियों की एसआइटी बनाई गई है, जिसकी अगुवाई एसीपी अंकिता खातरकर करेंगी। टीम को मामले के सभी पहलुओं की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एसआईटी रोशनी की रूममेट, सहपाठियों, स्वजन, पीजी हॉस्टल संचालक और स्टाफ के बयान दर्ज करेगी।साथ ही छात्रा के मोबाइल फोन, का डिटेल और डिजिटल साक्ष्यों की भी गहन पड़ताल की जाएगी। प्रारंभिक जांच में मोबाइल से कुछ संदेश मिले हैं, जिनसे शैक्षणिक दबाव के चलते जहरीले पदार्थ के सेवन की आशंका जताई जा रही है।हालांकि, रोशनी के पिता और अन्य स्वजन ने मौत को संदिग्ध बताते हुए साजिश की आशंका जताई है और उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

भोपाल के जयप्रकाश जिला अस्पताल में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, गार्ड की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

भोपाल(निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के जयप्रकाश (जेपी) जिला अस्पताल में बुधवार को अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना दोपहर करीब 12:15 बजे ओपीडी ब्लॉक के पहले फ्लोर पर स्थित एक कमरे में हुई, जहां सिरिंज, सैंपल कलेक्शन उपकरण और अन्य सर्जिकल सामग्री रखी थी। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पहले कमरे से धुआं उठता दिखा जो कुछ ही मिनटों में आग में बदल गया। प्लास्टिक और सर्जिकल सामान जलने से काला धुआं पूरे ओपीडी ब्लॉक में फैल गया। हालात बिगड़ते देख अस्पताल स्टाफ ने तत्परता दिखाते हुए मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। एहतियातन बिजली सप्लाई भी बंद कर दी गई।

गार्ड ने तोड़ा ताला, 8 सिलेंडर से बुझाई आग

अस्पताल के गार्ड हरिदेव यादव के मुताबिक, सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे, लेकिन कमरे पर ताला लगा था और चाबी मिलने में समय लग रहा था। स्थिति की गंभीरता देखते हुए उन्होंने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और फायर एक्सटिंग्विशर से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब आठ कंटेनर खाली करने के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड लगभग 30 मिनट बाद मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आग बुझाई जा चुकी थी। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो आग पूरे ब्लॉक में फैल सकती थी।

आग बुझाते-बुझाते बिगड़ी गार्ड की तबीयत

धुएं के बीच लगातार प्रयास करने से गार्ड की तबीयत बिगड़ गई। उन्हें चक्कर और सांस लेने में तकलीफ महसूस हुई, जिसके बाद तत्काल ऑक्सीजन सपोर्ट दिया गया। फिलहाल उनकी हालत में सुधार है, हालांकि पेट में जलन और आंखों में परेशानी की शिकायत बनी हुई है।

फायर सेफ्टी सिस्टम पर सवाल

गौरतलब है कि बीते वर्ष अस्पताल में वॉटर स्प्रिंकलर और अन्य फायर सेफ्टी उपकरण लगाए गए थे। दावा था कि आग लगते ही सिस्टम स्वत: सक्रिय हो जाएगा, लेकिन बुधवार की घटना में यह व्यवस्था काम नहीं आई। जानकारी के अनुसार फायर सेफ्टी सिस्टम का हैंडओवर अब तक संबंधित एजेंसी को नहीं दिया गया था और सिस्टम बंद पड़ा था। घटना की सूचना मिलते ही अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. संजय जैन अवकाश के बावजूद अस्पताल पहुंचे। उन्होंने बताया कि मामले में संबंधित एजेंसी को पत्र भेजा गया है और फायर सिस्टम दोबारा चालू करवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

आपातकाल के 50 वर्ष: 'आपातकाल और युवा' पर राष्ट्रीय विमर्श आज भोपाल में

भोपाल (ए.)। देश में 1975 में लगाए गए आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गुरुवार, 19 फरवरी को 'आपातकाल और युवा' विषय पर एक राष्ट्रीय विमर्श आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यक्रम समाचार एजेंसी के तत्वावधान में होगा, जिसमें देशभर के चिंतक, शिक्षाविद, जनप्रतिनिधि और विद्यार्थी भाग लेंगे।कार्यक्रम दोपहर 2 बजे सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी, रायसेन रोड परिसर में आयोजित किया जाएगा। आयोजन का उद्देश्य आपातकाल के ऐतिहासिक संदर्भ, उसके सामाजिक-राजनीतिक प्रभाव और वर्तमान युवा पीढ़ी के लिए उससे मिलने वाले संदेशों पर गंभीर चर्चा करना है। यह संवाद लोकतांत्रिक मूल्यों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने का प्रयास है।

1975 का आपातकाल और उसका प्रभाव

उल्लेखनीय है कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा देश में आपातकाल की घोषणा की गई थी। इस दौरान मौलिक अधिकारों पर व्यापक प्रतिबंध लगाए गए, प्रेस पर सेंसरशिप लागू हुई और अनेक विपक्षी नेताओं को गिरफ्तार किया गया। केंद्र सरकार ने हाल के वर्षों में 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है, ताकि उस दौर में लोकतंत्र पर पड़े प्रभाव को स्मरण किया जा सके और संविधान की सर्वोच्चता के प्रति नागरिकों, विशेषकर युवाओं को जागरूक किया जा सके।

प्रमुख वक्ताओं की मौजूदगी

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य सुरेश 'भैयाजी' जोशी मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे।

वे आपातकाल के दौर के अनुभवों, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल तथा पूर्व राज्यसभा सदस्य कैलाश सोनी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दुस्थान समाचार समूह के अध्यक्ष अरविंद मार्डिकर करेंगे।समूह संपादक और वरिष्ठ पत्रकार राम बहादुर राय का कहना है कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का महत्वपूर्ण अध्याय है, जिसके अनुभवों और सबकों को नई पीढ़ी तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। उनके अनुसार, यह आयोजन युवाओं को लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिये लगातार हो रहे हैं सड़क सुरक्षा प्रबंधन कोर्स

भोपाल(निप्र.)। पुलिस परिवहन शोध संस्थान (पीटीआरआई) द्वारा मध्यप्रदेश में सड़क पर होने वाली वाहन दुर्घटना एवं दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाने के उद्देश्य से लगातार सड़क सुरक्षा प्रबंधन कोर्स हो रहे हैं।अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री विवेक शर्मा के निर्देशन पर पीटीआरआई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक से उप निरीक्षक स्तर के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा प्रबंधन कोर्स के माध्यम से दो दिवसीय प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य सड़क उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित सड़क नेटवर्क उपलब्ध कराने, पदयात्रियों तथा सायकिल, वाहन चालकों को प्राथमिकता और भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या एवं सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु की संख्या में कमी लाना है । प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ पर उप पुलिस महानिरीक्षक पीटीआरआई टी.के. विद्यार्थी ने सड़क दुर्घटनाओं की भयावहता को प्रशिक्षणार्थियों के सम्मुख रखा। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा को मूलभूत यातायात सेवा में अविभाज्य अंग के रूप में मान्यता देना है।

कूनो में बढ़ा चीतों का कुनबा, मादा चीता गामिनी ने फिर तीन शावकों को दिया जन्म

- मुख्यमंत्री ने चीता शावकों के जन्म पर जताई खुशी, मप्र को बताया चीतों के पुनर्स्थापन का सशक्त केंद्र

भोपाल(निप्र.)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में दक्षिण अफ्रीकी मादा चीता गामिनी ने एक बार फिर तीन शावकों को जन्म दिया है। इससे कूनों में

एक बार फिर चीतों का कुनबा बढ़ गया है। इसके बाद भारत में कुल चीतों की संख्या 38 हो गई है। मादा चीता गामिनी कूनों में दूसरी बार मां बनी है।यह जानकारी मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया के माध्यम से दी। उन्होंने एक्स पर मादा चीता गामिनी का शावकों के साथ वीडियो शेयर किया है, साथ ही पोस्ट किया है कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि प्रोजेक्ट चीता के अंतर्गत दक्षिण अफ्रीका से आई मादा चीता 'गामिनी' ने तीन शावकों को जन्म दिया है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चीतों के पुनर्स्थापन का मध्य प्रदेश सशक्त केंद्र बन रहा है। श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में चीतों के 3 वर्ष पूर्ण होने के साथ यह 9वां सफल प्रसव है। इसके साथ ही भारत में जन्मे जीवित शावकों की संख्या 27 हो गई है। उन्होंने कहा कि इन नए शावकों के साथ, भारत में चीतों की कुल संख्या बढ़कर अब 38 हो गई है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए वन्य जीव संरक्षण, जैव विविधता और पर्यावरण संतुलन की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है।वहीं, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस उपलब्धि को भारत के ऐतिहासिक संरक्षण अभियान की बड़ी सफलता बताया है।

धार भोजशाला मामला पुनः हाईकोर्ट की इंदौर बेंच में ट्रांसफर, 23 फरवरी को होगी अगली सुनवाई

जबलपुर, (ए.)। मध्य प्रदेश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा ने आदेश दिया है कि धार की ऐतिहासिक भोजशाला विवाद से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई अब उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में होगी। आगामी 23 फरवरी को उनकी अध्यक्षता वाली युगलपीठ मामले की सुनवाई करेगी।दरअसल, जबलपुर स्थित मुख्य खंडपीठ में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की अध्यक्षता और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ ने बुधवार को भोजशाला मामले से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई हुई। इस दौरान याचिकाओं से संबंधित सभी अधिवक्ता उपस्थित रहे। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने पक्ष रखा। इस दौरान पीठ ने क्षेत्राधिकार को देखते हुए स्पष्ट किया कि यह मामला धार जिले से संबंधित है, जो इंदौर खंडपीठ के दायरे में आता है। न्यायमूर्ति सचदेवा ने कहा कि अब इस मामले की सुनवाई इंदौर खंडपीठ में की जाएगी। उनकी युगलपीठ उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में मामले की सुनवाई करेगी। इसके लिए 23 फरवरी की तारीख तय की गई है। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि 23 फरवरी को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट खोली जाएगी। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस समेत अन्य पक्षों ने याचिका दायर की है। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि 1010 से 1055 ईस्वी के बीच राजा भोज द्वारा निर्मित भोजशाला मूलतः देवी वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर और संस्कृत शिक्षा का प्रमुख केंद्र था, जहां वेद, शास्त्र, ज्योतिष और खगोल जैसे विषय पढ़ाए जाते थे। याचिका में यह भी कहा गया है कि यह स्थल सनातन परंपराओं के संरक्षण वाला आदर्श गुरुकुल था। बाद के मुस्लिम शासकों द्वारा परिसर को क्षति पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि इसकी धार्मिक पहचान नहीं बदली और हिंदू श्रद्धालु पूजा करते रहे। वहीं ब्रिटिश काल में इसे कमाल मौला मस्जिद के रूप में प्रचारित करने की कोशिश की गई, जिसे याचिका में तथ्यों के विपरीत बताया गया है।इस विवाद को लेकर उच्चतम न्यायालय द्वारा 22 जनवरी को दिए गए आदेश पर गौर करते हुए जस्टिस शुक्ला की अध्यक्षता वाली युगलपीठ ने पाया कि इस मामले से सम्बंधित एक अपील वर्ष 2006 से लंबित है। इसके मद्देनजर जस्टिस शुक्ला की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस मामले को मुख्य खंडपीठ में ट्रांसफर करने कहा, ताकि प्रशासनिक स्तर पर मुख्य न्यायाधीश उचित आदेश पारित कर सकें।

रास्ता निकलने से रोकने को चलाईं गोलियां, एक की मौत, गांव में फैली दहशत

मुरैना, (ए.)। मध्य प्रदेश के मुरैना में घर के बाहर निकल रहे शासकीय मार्ग से पैदल-पैदल जाने वाले युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। गांव में अचानक हुई गोलीबारी से दहशत फेल गई। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपियों की पहचान के साथ तलाश कर रही है। वहीं पीड़ित पक्ष आरोपीगणों को आदतन अपराधी बता रहा है। मृतक युवक के शव का पोस्टमार्टम किया जा रहा है। मुरैना जिले के सरायछौला थाना क्षेत्रान्तर्गत रिठौरा खुर्द गांव निवासी ऐंदल सिंह का विवाद मंगलवार रात कुल्हाड़ा गांव के ग्रामीणों से हो गया था। इसे लेकर दबंग ऐंदल सिंह ने घर के सामने से निकल रहे सरकारी मार्ग पर आवागमन बंद कर दिया। अपने गांव सहित अन्य गांवों के राहगीरों को चेतावनी दी कि सडक़ से किसी भी कीमत पर आना-जाना न करें अन्यथा परिणाम घातक होंगे। बुधवार सुबह इस सडक़ किनारे निवास कर रहे गब्बर सिंह का 25 वर्षीय पुत्र महादेवा जब सडक़ से निकला उसी दौरान ऐंदल सिंह व उसके परिजनों ने घेर लिया। सभी ने मिलकर 30 से अधिक गोलियां चलाकर दहशत फैला दी। इनमें से कुछ गोली महादेवा को भी लगीं।

हाजियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लगाई वैक्सीन

बुरहानपुर (ए.) । मध्य प्रदेश हज कमिटी की ओर से हज 2026 की तैयारियों के तहत स्थानीय दानिश स्कूल परिसर में शाही जामा मस्जिद के मुतवल्ली सैयद अनवार उल्लाह बुखारी की सरपरस्ती और हज 2026 के प्रभरी अधिवक्ता फरीद अहमद खान की निगरानी में ट्रेनिंग और वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया जिसमें हज कमेटी से हज 2026 के लिए हज यात्रा पर बुरहानपुर ज़िल से जाने वाले सभी 130 तथा टूर से जाने वाले 15 टोटल 145 हज यात्रियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया हज पर जाने वाले सब ही हज यात्रियों को प्रशिक्षण हाजी हाफिज रईस साहब ने दिया इस प्रोग्राम की सदारत हाजी शेख कादीर साहब पूर्व सेल्स मैनेजर कोका कोला मदीना मुन्ववरा ने की मध्य प्रदेश हज कमिटी की ओर से हज 2026 की तैयारियों के अंतर्गत स्थानीय दानिश स्कूल परिसर में प्रशिक्षण एवं वैक्सीनेशन कैंप का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बुरहानपुर ज़िले के हज यात्रियों के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया था। कैंप शाही जामा मस्जिद के मुतवल्ली सैयद अनवार उल्लाह बुखारी की सरपरस्ती तथा हज 2026 के प्रभारी अधिवक्ता फरीद अहमद खान की निगरानी में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हज 2026 के लिए बुरहानपुर ज़िले से जाने वाले सभी 130 चयनित हज यात्रियों एवं टूर के माध्यम से जाने वाले 15 यात्रियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हज यात्रा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान करना और स्वास्थ्य की दृष्टि से अनिवार्य टीकाकरण सुनिश्चित करना था। हज पर जाने वाले सभी यात्रियों को विस्तृत प्रशिक्षण हाजी हाफिज रईस साहब द्वारा दिया गया।

हाई स्कूल में छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से फैली दहशत, एसडीएम ने दिए जांच के निर्देश

उमरिया, (ए.)। मध्यप्रदेश के उमरिया जिले की जनपद पंचायत करकेली अंतर्गत ग्राम कल्दा स्थित हाई स्कूल में पिछले तीन दिनों से छात्राओं की तबीयत बिगड़ने की घटनाओं से क्षेत्र में चिंता का माहौल बन गया है। घटनाओं के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद अभिभावकों में भी दहशत फैल गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार पहले दिन दो छात्राएं कक्षा के दौरान असामान्य व्यवहार करने लगीं। स्कूल प्रबंधन ने तत्काल उनके परिजनों को सूचना दी। परिजन उन्हें घर ले गए। दूसरे दिन तीन-चार अन्य छात्राओं की भी तबीयत अचानक बिगड़ गई। तीसरे दिन यह संख्या बढ़कर लगभग 10-11 तक पहुंच गई।घटना के बाद कुछ अभिभावक बच्चियों को समीपस्थ पहाड़ी पर स्थित महोबा दादर मंदिर ले गए। इस बीच स्कूल परिसर का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिससे तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं।

हाई स्कूल कल्दा के प्रभारी प्राचार्य सूरज लाल मराबी ने बताया कि पहले दिन दो छात्राओं की तबीयत बिगड़ी थी। अगले दिनों में कुछ अन्य छात्राओं में भी ऐसी ही स्थिति देखी गई। उन्होंने कहा कि मामले की सूचना संबंधित अधिकारियों को दे दी गई है।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनाः विदिशा जिले के 779 श्रद्धालु अयोध्या के लिए रवाना

विदिशा, (ए.)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले से मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत बुधवार को 779 तीर्थ यात्री भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या के दर्शन के लिए विशेष ट्रेन से रवाना हुए। इस अवसर पर विदिशा रेलवे स्टेशन पर तीर्थ यात्रियों का भव्य स्वागत किया गया और उत्साहपूर्ण माहौल में उन्हें यात्रा के लिए विदाई दी गई।विदिशा विधायक मुकेश टण्डन ने अयोध्या तीर्थ दर्शन के लिए रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों को स्पेशल ट्रेन की बोगी में प्रवेश कराने हेतु फीता काटा और नारियल फोड़कर पूजा अर्चना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष गीता कैलाश रघुवंशी, विधायक टंडन और नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति राकेश शर्मा द्वारा विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने सभी तीर्थ यात्रियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को निशुल्क तीर्थ यात्रा का लाभ मिल रहा है, जिससे उनकी वर्षों पुरानी आस्था पूर्ण हो रही है।रेलवे स्टेशन पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं परिजनों द्वारा यात्रियों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान यात्रियों में विशेष उत्साह देखने को मिला और उन्होंने शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रशासन द्वारा यात्रियों की यात्रा को सुरक्षित एवं सुगम बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। यात्रा के दौरान भोजन, चिकित्सा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था भी की गई है।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जिले के पात्र वरिष्ठ नागरिकों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों की निशुल्क यात्रा कराई जा रही है, जिससे उन्हें आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हो रहा है।गौरतलब हो कि जिले के सभी तीर्थ यात्रीगण अयोध्या में दर्शन उपरांत 23 फरवरी को वापस विदिशा पहुंचेंगे। इस अवसर पर विदिशा जनपद पंचायत अध्यक्ष वीर सिंह रघुवंशी, नटेरन जनपद पंचायत अध्यक्ष संगीता यशपाल रघुवंशी, एसडीएम क्षितिज शर्मा समेत अन्य विभागो के अधिकारी व तीर्थयात्रा पर रवाना होने वाले तीर्थयात्रियों के परिजन मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने किया सड़क निर्माण कार्यों का निरीक्षण

ग्वालियर (ए.)। नगर निगम ग्वालियर द्वारा बनाई जा रहीं सड़कों के निर्माण कार्य का निरीक्षण निगमायुक्त संघ प्रिय ने किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री बीबी चंसोलिया, क्षेत्रीय अधिकारी विपिन दुबे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय ने क्षेत्रीय कार्यालय 15 के अंतर्गत ऊंट पुल से गस्त का ताजिया तक बनाई जा रही रोड का अवलोकन कर संबंधित अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्षेत्रीय कार्यालय 19 के अंतर्गत पाटनकर चौराहा से दौलतगंज महाराजबाडा शासकीय प्रेस तक बन रही सड़क का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों से उक्त सड़क की जानकारी ली एवं कार्य शीघ्र गुणवत्तापूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही सराफा पुलिस चौकी से गस्त का ताजिया तक वाटर लाइन डलनी है जिसका कार्य बंद मिलने पर कार्य को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही अन्य स्थानों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कटनी के बम्हनगवां में जर्जर दीवार गिरी, 10 वर्षीय छात्र की मौत

कटनी,(ए.)। मध्य प्रदेश के कटनी जिले के कैमोर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बम्हनगवां स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में बुधवार को दर्दनाक हादसा हो गया। स्कूल परिसर की जर्जर बाउंड्री वॉल गिरने से 10 वर्षीय छात्र राजकुमार बर्मन की मलबे में दबकर मौत हो गई। घटना ने सरकारी स्कूलों के ढांचागत हालात और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।प्राप्त जानकारी के अनुसार राजकुमार प्रतिदिन की तरह स्कूल पहुंचा था। दोपहर के समय वह परिसर में बने शौचालय के पास था, तभी अचानक कमजोर हो चुकी बाउंड्री वॉल भरभराकर उसके ऊपर गिर गई।

व्यापार समाचार

इंफोसिस और एंथ्रोपिक ने एडवांस एआई सॉल्यूशंस विकसित करने के लिए किया साझेदारी का ऐलान

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत की दिग्गज टेक कंपनी इंफोसिस ने मंगलवार को अमेरिकी एआई कंपनी कंपनी एंथ्रोपिक के साथ साझेदारी का ऐलान किया। दोनों कंपनियां मिलकर सॉफ्टवेयर, मैन्युफैक्चरिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और टेलीकम्युनिकेशन क्षेत्र में एडवांस एंटरप्राइज एआई सॉल्यूशंस विकसित और डिलीवरी करेंगी। इंफोसिस ने बयान में कहा कि इस साझेदारी के तहत इन्फोसिस के टोपाज को एंथ्रोपिक के क्लाउडे मॉडल (क्लाउडे कोड सहित) के साथ जोड़ा जाएगा, जिससे कॉम्प्लेक्स वर्कफ्लो को ऑटोमेट, सॉफ्टवेयर डिलीवरी में तेजी और विभिन्न उद्योगों में एजेंटिक एआई सॉल्यूशंस विकसित किए जा सकें।

यह साझेदारी टेलीकम्युनिकेशन क्षेत्र में एक समर्पित एंथ्रोपिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के साथ शुरू होगी, जो उद्योग-विशिष्ट कार्यों के अनुरूप एआई एजेंटों का निर्माण और तैनाती करेगा। यह साझेदारी फाइनेंशियल सर्विसेज, मैन्युफैक्चरिंग और सॉफ्टवेयर विकास सहित अन्य इंडस्ट्री में भी विस्तारित होगी।इस साझेदार के तहत सर्विसेज सेक्टर में एआई एजेंट जोखिम का पता लगाने, अनुपालन रिपोर्टिंग को ऑटोमेट करने का कार्य करेंगे। साथ ही, ग्राहकों के साथ व्यक्तिगत संपर्क स्थापित करेंगे। मैन्युफैक्चरिंग और इंजीनियरिंग में, क्लाउडे उत्पाद डिजाइन और सिमुलेशन को गति देने में मदद करेगा, जिससे अनुसंधान एवं विकास में लगने वाला समय कम होगा और इंजीनियर उत्पादन से पहले अधिक संस्करणों का परीक्षण कर सकेंगे।

कंपनी ने बताया कि सॉफ्टवेयर विकास क्षेत्र में, टीमें क्लाउडे कोड का उपयोग कोड लिखने, परीक्षण करने और उसमें मौजूदा कमियों को दूर करने के लिए करेंगी जिससे डेवलपर्स डिजाइन से उत्पादन तक की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कर सकेंगे।

10 मिनट में मर्डर वाले हथियार की डिलीवरी! BLINKIT कानूनी पचड़े में फंसा, पुलिस ने दर्ज की FIR

नई दिल्ली (आरएनएस)। ऑनलाइन ग्रोसरी और क्विक डिलीवरी प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट (Blinkit) एक बड़े कानूनी पचड़े में फंस गया है। दिल्ली पुलिस ने कंपनी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए 50 अवैध बटनदार चाकू बरामद किए हैं और एफआईआर (FIR) दर्ज कर ली है। यह पूरी कार्रवाई राजधानी के ख्याला इलाके में हुए दो अलग-अलग हत्या के मामलों की जांच के बाद की गई है। पुलिस की तफ्तीश में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि हत्या की वारदातों में इस्तेमाल किए गए चाकू ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट से ही खरीदे गए थे। इस खुलासे के बाद दिल्ली पुलिस ने ब्लिंकिट को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया है और अन्य डिलीवरी ऐप्स भी अब पुलिस के रडार पर आ गए हैं।

पुलिस ने खुद ग्राहक बनकर किया स्टिंग ऑपरेशन, मानकों से बड़े निकले चाकू

ख्याला इलाके में हुए मर्डर केस में जब पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ की, तो उन्होंने कबूल किया कि वारदात में इस्तेमाल बटनदार चाकू उन्होंने ब्लिंकिट से मंगवाए थे। इस अहम इनपुट को पुख्ता करने के लिए दिल्ली पुलिस ने खुद एक आम ग्राहक बनकर प्लेटफॉर्म से उसी चाकू का ऑर्डर प्लेस किया। जब डिलीवरी मिली और चाकू की जांच की गई, तो उसकी लंबाई और चौड़ाई सरकार द्वारा तय किए गए कानूनी मानकों से कहीं ज्यादा पाई गई। भारतीय कानून के तहत बटन दबाकर खुलने वाले ऐसे चाकू पूरी तरह से प्रतिबंधित (Banned) श्रेणी में आते हैं और इनकी खुलेआम बिक्री एक गंभीर अपराध है।

नौकरी बदलने पर बदल गया है सैलरी अकाउंट? तुरंत करें ये काम, वरना अटक जाएगा पीएफ का पैसा

नई दिल्ली (आरएनएस)। नौकरी बदलने के साथ ही अक्सर कर्मचारी अपना सैलरी अकाउंट भी बदल लेते हैं। कभी नई कंपनी के नियमों के चलते, तो कभी बेहतर बैंकिंग सुविधाओं और कम शुल्क की चाहत में नया खाता खुलवा लिया जाता है। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में लोग एक सबसे अहम बात भूल जाते हैं कि कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) पीएफ का पैसा हमेशा उसी बैंक खाते में भेजता है, जो आपके यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (UAN) से जुड़ा होता है। अगर आपका पुराना खाता बंद या निष्क्रिय हो चुका है, तो पीएफ निकासी के समय आपका क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। अक्सर कर्मचारियों को इस परेशानी का पता तब चलता है, जब उन्हें पैसों की सख्त जरूरत होती है और वे क्लेम के लिए आवेदन करते हैं।

बदलाव से पहले पोर्टल पर इन बातों की कर लें जांच

बैंक खाते की जानकारी अपडेट करने से पहले ईपीएफओ के मेंबर ई-सेवा पोर्टल पर लॉग इन करके यह जांचना जरूरी है कि वर्तमान में आपका यूएएन किस बैंक खाते से जुड़ा है। कई लोगों को यह गलतफहमी होती है कि नौकरी बदलने पर बैंक डिटेल अपने आप अपडेट हो जाती हैं, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि आपका आधार और पैन कार्ड पूरी तरह से सत्यापित (वेरिफाई) हो। यदि आपके नाम या अन्य जानकारी में स्पेलिंग की छोटी सी भी गलती है और वह मैच नहीं कर रही है, तो आपका अपडेट रिक्वेस्ट सिस्टम द्वारा अस्वीकार कर दिया जाएगा। इसलिए, अगर कोई भी जानकारी मेल नहीं खाती है, तो सिस्टम में आगे बढ़ने से पहले उसे ठीक करवाएं।

ईपीएफओ में ऐसे अपडेट करें अपना नया बैंक अकाउंट

पोर्टल पर लॉग इन करने के बाद 'मैनेज' (Manage) सेक्शन में जाएं और 'केवाईसी' (KYC) विकल्प पर क्लिक करें। वहां आपको अपना मौजूदा बैंक खाता दिखाई देगा। इसके बाद अपना नया बैंक अकाउंट नंबर और आईएफएससी (IFSC) कोड बहुत ध्यान से दर्ज करें, क्योंकि आमतौर पर सबसे ज्यादा गलतियां नंबर फीड करते समय ही होती हैं। जरूरत पड़ने पर एक कैंसल किए गए चेक की साफ तस्वीर भी अपलोड करें। डिटेल सबमिट करने के बाद आपकी रिक्वेस्ट सीधे पास नहीं होती, बल्कि यह अप्रूवल (मंजूरी) के लिए आपकी मौजूदा कंपनी के पास जाती है। यदि आपकी कंपनी का एचआर (HR) विभाग इसे मंजूर नहीं करता है, तो खाते में कोई बदलाव नहीं होगा।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

सेंसेक्स 283, निफ्टी 93 अंक ऊपर आया

मुंबई (ए) । भारतीय शेयर बाजार बुधवार को बढ़त पर बंद हुआ। बाजार में ये तेजी एशिसाई बाजारों से मिलेजुले संकेतों बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 283.29 अंकों की बढ़त के साथ ही 83,734.25 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 93.95 अंकों की बढ़त के साथ ही 25,819.35 पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू बाजार की कमजोर शुरुआत के बाद इसमें समय के साथ ही उछला आया। जिससे दिन भर के कारोबार के बाद वह बढ़त के साथ बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी को छोड़कर निफ्टी के सभी इंडेक्स लाभ में रहे।

आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में बढ़त रही। निफ्टी मेटल इंडेक्स में 1.33 फीसदी की तेजी रही, वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.31 फीसदी उछाल आया। , निफ्टी एफएमसीजी में 1.21फीसदी और निफ्टी ऑटो में 0.54 फीसदी की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी आईटी इंडेक्स में 1.23 फीसदी की गिरावट आई। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स पैक में, टाटा स्टील, आईटीसी, एक्सिस बैंक, एमएंडएम और एलएंडटी के शेयरों में 2.90 बढ़त दर्ज की गई रही जबकि टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक के शेयर नीचे आये।

वहीं आज सुबह बाजार की मिली-जुली शुरुआत रही। सुबह सेंसेक्स करीब 100 अंक उछलकर 83,553 पर खुला हालांकि खुलने के बाद इंडेक्स में सपाट कारोबार हुआ। इसी तरह निफ्टी भी 25,752 पर खुला और खुलने के कुछ देर में 25,700 के नीचे आ गया।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225 अंक और ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी एएसएक्स करीब 0.28 फीसदी ऊपर कारोबार कर रहे थे। वहीं चीन (मेनलैंड), हांगकांग और दक्षिण कोरिया के बाजार लूनर न्यू ईयर की छुट्टियों के कारण बंद रहे।

दूसरी ओर अमेरिका के वॉल स्ट्रीट में बाजार हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के प्रभाव को लेकर भी चिंताएं बनी रही। अमेरिका में एसएंडपी 500 इंडेक्स और नैस्डैक कंपोजिट उछलकर बंद हुए। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत भी हल्की बढ़त के साथ बंद हुआ।

भ्रष्टाचार सूचकांक में बांग्लादेश दुनिया में 13वां सबसे निचले पायदान पर

नई दिल्ली (आरएनएस)। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी वार्षिक भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक (सीपीआई) 2025 में बांग्लादेश को 100 में से 24 अंक मिले हैं। इस स्कोर के साथ बांग्लादेश दुनिया में 13वें सबसे निचले स्थान पर रहा। यह रैंकिंग 2024 की तुलना में नीचे से गिने जाने पर एक पायदान और नीचे है तथा 2012-2025 की अवधि के औसत स्कोर से दो अंक कम है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश दूसरा सबसे निचला देश बना हुआ है और वह केवल अफगानिस्तान से बेहतर स्थिति में है। 182 देशों की सूची में बांग्लादेश वैश्विक औसत 42 से नीचे स्कोर करने वाले 96 देशों और 50 से कम अंक पाने वाले 122 देशों में शामिल है।

ढाका स्थित दैनिक अखबार द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश को अत्यंत गंभीर भ्रष्टाचार समस्या वाले देशों में रखा गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की तुलना में एक अंक की बढ़ोतरी जुलाई आंदोलन की ताकत को दर्शाती है, जिसने कथित 'क्लेप्टोक्रेसी' (लूटतंत्र) के पतन और 'डिक्लेप्टिफिकेशन' की उम्मीदें जगाईं। हालांकि, परिवर्तन की ठोस नींव रखने और उसे आगे बढ़ाने में विफलता भी साफ नजर आई है।

आंदोलन के बाद भी राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर राजनीतिक व प्रशासनिक क्षेत्रों में भ्रष्टाचार जारी रहा। अंतरिम प्रशासन सरकारी पारदर्शिता, ईमानदारी और जवाबदेही का उदाहरण स्थापित करने में असफल रहा, जिससे समग्र स्कोर बेहतर नहीं हो सका।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि नेपाल, लाओस, वियतनाम, तिमोर-लेस्ते, यूक्रेन और अंगोला जैसे कई देश, जो पहले बांग्लादेश के समान या उससे भी नीचे स्कोर करते थे, व्यापक संस्थागत सुधार, सार्वजनिक सेवाओं के डिजिटलीकरण और उच्चस्तरीय भ्रष्टाचार के प्रभावी अभियोजन के जरिए अपनी स्थिति सुधारने में सफल रहे हैं।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

मोदी सरकार विफल

ट्रंप अधिकतम वसूली करने और भारत की भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को अपने अनुरूप ढालने की कोशिश की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मोर्चों पर भारत के संप्रभु अधिकारों एवं भारतीय हितों की रक्षा करने में नरेंद्र मोदी सरकार विफल रही है।भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर जारी साझा बयान इस संबंध में सोशल मीडिया पोस्ट पर डॉनल्ड ट्रंप की पूर्व घोषणा के अनुरूप है। इसमें शामिल शर्तों के मद्देजनर यह भी कहा जा सकता है कि पूरा समझौता ट्रंप की शर्तों पर है। ह्वाइट हाउस से जारी साझा बयान के जब पहले ही पैराग्राफ में कहा गया है कि अमेरिका के सभी औद्योगिक उत्पादों और बड़े पैमाने पर खाद्य एवं कृषि पैदावार पर से भारत टैरिफ घटाएगा, तो फिर केंद्र के इस दावे में ज्यादा दम नहीं बचता कि उसने कृषि क्षेत्र के हितों की पूरी रक्षा की है। अमेरिकी बयान में सूखा आसवक चोकर, चारे के लिए लाल ज्वार, ट्री नट्स (बादाम, काजू, अखरोट, पिस्ता आदि), ताजा और प्रसंस्कृत फल, सोयाबीन तेल, शराब, स्पीरिट आदि का नाम लेकर जिक्र है, जिन पर टैरिफ खत्म किए जाएंगे। उधर पांच साल में 500 बिलियन डॉलर की अमेरिकी सामग्रियों की खरीदारी की बात भी डील का हिस्सा है। फिलहाल, भारत 85 बिलियन डॉलर का निर्यात और 45 डॉलर का आयात करता है। इस तरह उसे अमेरिका से तकरीबन 40 बिलियन डॉलर का व्यापार लाभ है। अब भारत ने औसतन प्रति वर्ष 15 बिलियन डॉलर के व्यापार घाटे में जाने का करार किया है। उसका दबाव पहले से ही डगमगाए रुपये के भाव पर पड़ेगा।उधर भारत में टैरिफ हटने का भारत के राजकोष पर दबाव महसूस किया जाएगा। ऊपर से ह्वाइट हाउस ने एक अलग विज्ञप्ति जारी कर इसकी पुष्टि की है कि भारत ने रूस से कच्चा तेल खरीदना बंद करने का वादा अमेरिका से किया है। बदले में अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगे 50 प्रतिशत को घटा कर 18 फीसदी पर लाएगा। लेकिन यह साफ है कि समझौता दोनों तरफ लगने वाले टैरिफ तक सीमित नहीं है। बल्कि अपने परिचित अंदाज के मुताबिक ट्रंप प्रशासन ने इसके जरिए भारत से अधिकतम वसूली करने और भारत की भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को अपने अनुरूप ढालने की कोशिश की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन मोर्चों पर भारत के संप्रभु अधिकारों एवं भारतीय हितों की रक्षा करने में नरेंद्र मोदी सरकार विफल रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से मुलाकात की.

इबादत का पाक महिना है रमजान!

- डॉ. श्रीगोपाल नारसन

इस्लाम धर्म को मानने वाला हर मुस्लमान रमजान का बेसब्री से इन्तजार करता है। रमजान शुरू होते है तो हर रोजेदार की दिनचर्या बदल जाती है। बडे सवेरे उठना और अल्लाह को याद करने के साथ ही पांचो वक्त की नमाज रोजेदार को अल्लाह की इबादत का मौका दिलाती है। रमजान की शुरूआत भी चांद से ही होती है और रमजान पूरे होने पर ईद का जब चांद निकलता है तो सबके चेहरे पर खुशी छा जाती है। दरअसल रमजान के सकुशल बीतने की खुशी में ही अल्लाह को शुक्रिया अदा करने के लिए ही ईद उल फितर का त्यौहार मनाया जाता है। वही रमजान अल्लाह के नेक बन्दो की खिदमत का भी मुबारक मौका भी है ।नमाज के बाद अल्लाह ने जो दूसरी इबादत मुसलमानों के लिए अनिवार्य की है वह है रोजा। रोजे से मुराद ये है कि रमजान के महीने में 30 दिन तक सुबह से शाम तक खाना-पीना नहीं होता। नमाज की तरह ही इबादत रोजा भी अल्लाह के भेजे सभी पैगंबरों के मानने वालों पर फर्ज हैं और आज भी अधिकतर धर्मों में किसी न किसी रूप में मौजूद हैं।

वास्तव में इस्लाम का रोजे से तात्पर्य यह है कि बंदा अपना जीवन रब की इच्छा और उसके आदेशों को मानते हुए गुजार दे। साल भर में रमजान महीने के रोजे इसी मकसद का प्रशिक्षण हैं।इस्लामिक कैलेंडर के नौवें महीने को रमज़ान का महीना कहा जाता है। इस महीने में तीस दिनों तक रोज़ा रखना प्रत्येक मुस्लिम के लिए अनिवार्य बताया गया है। मुसलमानों के लिए यह पाक रोज़ा का महीना होता है। रोज़ा के लिए जो अरबी शब्द बोला जाता है, उसे 'सॉम' कहते है,इसका शाब्दिक अर्थ है 'संयम करना।' सॉम शब्द रमजान के महीने की सच्ची भावना को दर्शाता है। जिसमें सूर्योदय से सूर्यास्त होने तक रोज़ा रखना होता है।

रोज़े का मतलब होता है व्यक्ति के मन को अध्यात्म से जोड़ना। जिससे उसके अंदर कृतज्ञता और स्नेह का ऐसा भाव उत्पन्न हो। जिससे व्यक्ति पूरे वर्ष संयम और नियम से चल पाए। सूर्यास्त के एक दम बाद रोज़ा खोला जाता है। रोजेदार खजूर और पानी के साथ इफ़्तार करते हैं। क्योंकि हज़रत मुहम्मद साहब अपना रोज़ा खजूर और पानी से खोलते थे।

रमज़ान में मुस्लिम समाज एक अतिरिक्त नमाज़ पढ़ते हैं जिन्हें तरावीह कहा जाता है। तरावीह की नमाज़ रात की नमाज़ के बाद मस्जिद में सामूहिक रूप से पढ़ी जाती है। इस नमाज़ में पूरा कुरआन रमज़ान के महीने के अंदर पढ़ा जाता है। रमज़ान में कुरआन पढ़ने पर अत्यधिक ज़ोर दिया गया है। ताकि प्रत्येक रोज़ेदार इस पर चिंतन कर सके। आज कल के हालात के चलते विश्वभर के मुस्लिम चिंतित हैं कि वे तरावीह की नमाज़ कैसे अदा करेंगे। लेकिन यह कोई चिंता का विषय नहीं। हदीस की किताब अल-बुख़ारी में आता है की इस्लाम के पैगंबर तरावीह की नमाज़ अकेले

घर पर पढ़ते थे, मस्जिद में नहीं।एक माह तक रोजा रख चुके लोग नये नये कपडे पहनकर ईद की नमाज अदा करने के लिए ईदगाह जाते है। ईदगाह में नमाज के बाद एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी जाती है।लेकिन इस बार कोरोना के चलते बिना गले मिले ही दिल से एक दूसरे को दुआएं देंगे तो अच्छा रहेगा। रमजान के बाद आने वाली ईद उल फितर की शुरूआत जगं ए बदर के बाद सन 624 ईसवी के पैगम्बर मौहम्मद साहब द्वारा ईद उल फितर मनाने से मनाने से हुई थी। रमजान साल का एक अनूठा महिना होता है। इस महिने में हर मुस्लमान जंहा ज्यादा से ज्यादा समय अल्लाह की रहमत में गुजारना चाहता है। वही वह स्वयं को सुधारने व खुदा के बन्दो के चेहरो पर रौनक लाने के लिए उनके हर गम में शरीक होता है। जो खुदा के बन्दे पैसो से मोहताज है, भूखे है ,लाचार है उनकी हर हाल में मदद कर उन्हे बराबरी पर लाने की कौशिश की जाती है।

रमजान के महिने में हर दिन पाक साफ रहने की हिदायत है ताकि रोजेदार हर तरह के गुनाहो से दूर रहे। आपसी भाईचारे से रहना सीखे। खुदा की इबादत करे। नेकी करे लेकिन ईद उल फितर की खुशी के मौके पर कैसे हो दिन की शुरूआत यह भी इस्लाम में बताया गया है । इस्लाम धर्म से जुड़े फ़िरोज अहमद बताते है कि ईद उल फितर के दिन की शुरूआत फजर की नमाज के साथ होती है। रमजान में तीस दिनो तक रोजा रख चुके रोजेदारो एवं उनको भी जो बीमारी या फिर किसी अन्य वजह से रोजा नही रख पाए ,को मिस्वाक दातून करने के बाद गुसल नहाना करना चाहिए। फिर साफ कपडे पहनकर कपडो पर इतर की खुशबू के साथ कुछ खाकर ईदगाह जाना चाहिए। ध्यान रहे ईद की नमाज से पहले फितरा और जकात की जरूरी रस्म नही भूलनी चाहिए। यही वह रस्म है जो गरीब और मोहताज पडौसी के चेहरे पर सहायता की रौनक लाती है।

इस्लाम मानता है कि मनुष्य में वासनाएं,इच्छाएं,और भावनाएं प्राकृतिक रूप से समाहित है इसी कारण उसके स्वभाव में तेजी,उत्तेजना और जोश होता है। जिसे जड से तो समाप्त नही किया जा सकता लेकिन नियन्त्रित जरूर किया जा सकता है। इस नियन्त्रण के लिए ही रमजान में रोजो की व्यवस्था की गई है। ताकि मनुष्य अल्लाह को याद करने के साथ साथ अपने अन्दर की बुराईयों को दूर करते हुए आत्म नियन्त्रण करना सीखे और एक अच्छे भले इंसान के रूप में अपने जीवन का यापन करे। वैसे तो इस्लाम में हर रोज पांच वक्त की नमाज पढने की हिदायत दी गई है। लेकिन रमजान में एक विशेष नमाज़ भी अता की जाती है। लेकिन रमजान के दिनो में चूंकि हर रोजेदार अल्लाह के करीब होता है इसलिए पांचो वक्त की नमाज पढना वह अपना फर्ज समझता है। रोजा रखने से जहां पेट बिलकुल ठीक रहता है और शरीर का शुद्धिकरण हो जाता है। वही पांचो वक्त की नमाज पढने से उसकी योगिक क्रियाएं भी हो जाती है। नमाज की शरीरिक स्थिति इस तरह की होती है कि सभी तरह के आसन और प्राणायाम अल्लाह की इबादत में पूरे हो जाते है। ईदगाह में ईद की नमाज अदा करते समय तकबीर पढे,अल्लाह हु अकबर अल्लाह हु अकबर लाईलाह इल्लाह अल्लाह हु अकबर बडा है अल्लाह के सिवा कोई इबादत के लायक नही । सारी तारीफे अल्लाह के लिए है।

ईदगाह की नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को ईद की बधाई देने व लेने में जो खुशी मिलती है उसको जरूर प्राप्त करना चाहिए। ईद की बधाई में सिर्फ मुस्लमान ही नही हिन्दू,सिख और ईसाइ भी शरीक होते है। यह वह त्योहार है जो हमे इंसानियत की सीख देता है। जो दूसरो की भलाई का जज्बा देता है और मुल्क की तरक्की व हिफाजत का जुनून देता है। ईद की खुशी रोजेदारो को तभी से मिलनी शुरू हो जाती है। जब रमजान में रोजेदार मुस्लमानो के साथ साथ दूसरे धर्मो से जुडे लोग भी रोजा इफतार की रस्म में शरीक होकर आपसी भाईचारे व एकता का पैगाम देते है। रोजा इफतार कार्यक्रमो का सिलसिला रमजान में लगातार चलता है। राजनीतिक पार्टियों से लेकर स्वयंसेवी संस्थाएं भी रोजा इफतार के कार्यक्रम करके रोजेदारो की रोजा ईफतारी कराकर शबाब कमाती है। हमे केवल ओर केवल धार्मिक भावना के तहत ही रोजा इफतारी कराकर रोजेदारो की खिदमत करनी चाहिए और उन्हे तहेदिल से मुबारकबाद देकर भाईचारे में इजाफे की शुरूआत करनी चाहिए। तभी रमजान की खुशी दोगुनी हो सकती है ।

(चिंतन-मनन) दीर्घजीवी होती है विनम्रता

एक साधु बहुत बूढ़े हो गए थे। उनके जीवन का आखिरी क्षण आ पहुंचा। आखिरी क्षणों में उन्होंने अपने शिष्यों और चेलों को पास बुलाया। जब सब उनके पास आ गए, तब उन्होंने अपना पोपला मुंह पूरा खोल दिया और शिष्यों से बोले- 'देखो, मेरे मुंह में कितने दांत बच गए हैं?' शिष्यों ने उनके मुंह की ओर देखा। कुछ टटोलते हुए वे लगभग एक स्वर में बोल उठे- 'महाराज आपका तो एक भी दांत शेष नहीं बचा। शायद कई वर्षों से आपका एक भी दांत नहीं है' साधु बोले-'देखो, मेरी जीभ तो बची हुई है' सबने उत्तर दिया- 'हां, आपकी जीभ अवश्य बची हुई है'

इस पर साधू ने कहा- 'पर यह हुआ कैसे? मेरे जन्म के समय जीभ थी और आज मैं यह चोला छोड़ रहा हूं तो भी यह जीभ बची हुई है। ये दांत पीछे पैदा हुए, ये जीभ से पहले कैसे विदा हो गए? इसका क्या कारण है, कभी सोचा?' शिष्यों ने उत्तर दिया-'हमें मालूम नहीं। महाराज, आप ही बतलाइए' उस समय मृदु आवाज में संत ने समझाया - यही रहस्य बताने के लिए मैंने तुम सबको इस बेला में बुलाया है। इस जीभ में माधुर्य था, मृदुता थी और खुद भी कोमल थी, इसलिए वह आज भी मेरे पास है, परंतु मेरे दांतों में शुरू से ही कठोरता थी, इसलिए वे पीछे आकर भी पहले खत्म हो गए, अपनी कठोरता के कारण ही ये दीर्घजीवी नहीं हो सके। दीर्घजीवी होना चाहते हो तो कठोरता छोड़ो और विनम्रता सेखो।

मध्यप्रदेश सरकार का बजट प्रचारात्मक बजट है

श्री रघु ठाकुर

मध्यप्रदेश सरकार का बजट प्रचारात्मक बजट है। यह उस ढोल के समान? है जिसकी आवाज सुंदर लगती है परंतु ढोल भीतर से खोखला होता है। प्रदेश सरकार नये वर्ष में 54448 करोड़ का कर्ज लेगी। जबकि, पहले से ही मध्य प्रदेश भारी कर्जदार है। और बजट की एक बड़ी राशि कर्ज का ब्याज चुकानी पर जाएगी। नि:शुल्क उपचार योजना के अंतर्गत रू 500000 प्रति बीमार की दर से इलाज के लिए 2500 करोड़ रूपया मात्र रखे गए हैं। यानीपूरे वर्ष में पूरे प्रदेश में केवल 50000 लोगों को इस योजना के तहत उपचार मिल सकेगा। यानी एक दिन में पूरे प्रदेश में मुश्किल से 150 लोगों के लिए इस योजना का लाभ मिलेगा। प्रदेश की आबादी आज लगभग 9 करोड़ के आसपास है। सरकार ने तो एक पुरानी कहावत ऊंट के मुंह में जीरा को भी पार कर लिया। छात्रवृत्ति, पेंशन, सामाजिक पेंशन आदि योजनाएं पूर्ववत हैं और उन्हीं का निरंतरीकरण किया गया है।

सिंचाई का लक्ष्य 7.50 लाख हेक्टेयर यानी लगभग 20 लाख एकड़ जमीन में सिंचाई वृद्धि का रखा गया है। परंतु सिंचाई और कृषि के क्षेत्र पर जो बजट आवंटित किया गया है वह इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए नाकाफी है। सिंचाई और कृषि पर कुल 88900 करोड रुपए का बजट है। जिसका लगभग 50% स्थापना व्यय में चला जाता है। और वास्तविक विकास का व्यय लगभग 44000 करोड रुपए होगा। क्या इतनी राशि से 20 लाख एकड़ जमीन को सिंचित किया जा सकेगा। सरकार ने दूध उत्पादन के लिए 2364 करोड रुपए का प्रावधान किया है परंतु यह दूध उत्पादन की वृद्धि किस रूप में होगी यह स्पष्ट नहीं है। 3000 गौशालाओं के आधुनिकीकरण का लक्ष्य रखा है यह आधुनिकीकरण किस रूप में होगा यह भी स्पष्ट नहीं है। छात्रों को साइकिल योजना एक अच्छी योजना है और इसके लिए सरकार की मैं तारीफ करूंगा। प्रत्येक जिले में खाद्य प्रसंस्करण की यूनिट खोलने का प्रस्ताव भी व्यवहारिक और अच्छा प्रस्ताव है। यह मांग लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी कई वर्षों से लगातार कर रही थी। इसके लिए मुख्यमंत्री को बधाई।1 लाख सोलर पंप लगाने की योजना भी कृषि के विकास के लिए महत्वपूर्ण है। जिसकी प्रशंसा की जानी चाहिए। फसल बीमा पर रखी गई राशि 1299 करोड़ प्रदेश की जरूरत के हिसाब से और पिछले वर्षों के फसलों की क्षति के आंकलनों के अनुसार बहुत कम और आपर्याप्त हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री जी ने देश और प्रदेश के बड़े-बड़े महानगरों में जाकर जो इन्वेस्टर्स समिट किये थे उनका कोई विवरण या उपलब्धि इस बजट में नजर नहीं आती। आज से लगभग 35 वर्ष पहले भारतीय जनता पार्टी ने कर्ज मुक्त प्रदेश बनाने का वायदा किया था और यह वायदा भाजपा लगातार करती आ रही है परंतु कर्ज निरंतर बढ़ रहा है।

सरकार की वोट खरीदो योजनाओं पर जो खर्च किया जा रहा है उसे एक ही एक वाक्य में कहा सकता है चार्वाक ने कहा थाऋनम कृत्वा घृतम पियेत। इस बजट की सही व्याख्या यही है की कर्ज लो और घी पियो।

मेष राशि: आज आपको लोगों का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। आय के नए स्रोत बनेंगे। ऑफिस का काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। शाम को मेहमानों के आने से घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

वृष राशि:आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफ़ी लाभदायक रहेगी। आपकी खुशियों में इजाफा होगा। ऑफिस में आपको जिम्मेदारी वाला काम मिलने की संभावना है, जिसे पूरा करने पर फायदा होगा। आर्ट्स स्टूडेंट्स के लिए दिन बेहतर रहेगा, ग्राफ़िक डिजाईन कोर्स सीखने का मौका मिलेगा।

मिथुन राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे। आज आप संतान के करियर की समस्याओं को किसी अनुभवी और जानकार की मदद से सुलझा लेंगे। विपरीत परिस्थितियों में सूझ-बूझ से काम लेंगे तो, आज किसी समस्या का समाधान अवश्य मिलेगा। आज लम्बी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। आज छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा।

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों के साथ दोस्ताना व्यवहार रखने से उनकी काम करने की क्षमता बेहतर होगी, आज आपका काम समय से पहले पूरा हो सकता है। महिलाएं अपने बिजनेस में ज्यादा एक्टिव रहेंगी, आपको ज्यादा धनलाभ होगा।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज प्रैक्टिकल सोच रखेंगे तो आपके संतुलित रवैया से फायदा मिलेगा। आज थोड़ा समय एकांत में या किसी धार्मिक स्थान पर बिताएंगे। आज शाम माता जी से आप भविष्य को लेकर विचार-विमर्श करेंगे। आज आपके मन में तरह-तरह की बाते चलेंगी। नजदीकी लोगों से बातचीत करते समय मधुर भाषा का प्रयोग करें।

तुला राशि: आज आपका दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आप दोस्तों के साथ बाहर घूमने का प्लान बनायेंगे। आप दूसरों पर अपना प्रभाव बनाने में सफल होंगे, आपको अपने गुस्से पर नियंत्रण रखने की जरूरत है, नहीं तो आस-पास के लोग आपका विरोध कर सकते हैं।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जायेगा। आज किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जो आने वाले दिनों में आपकी मदद करेगा। आज किसी भी बात पर अपनी प्रतिक्रिया जल्दी न दें, पहले स्थितियों को समझें फिर अपनी राय सोच समझ कर दें इससे लोगों के बीच आपकी अहमियत बढ़ जाएगी।

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। फिलहाल हर एक बात पर ध्यान देकर स्थिति को सुधारने कोशिश करें। आज पुरानी गलती दोबारा न हो, इस बात का ध्यान रखना आपके लिए आवश्यक होगा।

मकर राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। अपने दोस्तों से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। नये व्यवसाय में पैसा लगाने के बारे में आप सोच सकते हैं, एक्सपर्ट से राय लेना न भूलें।

कुम्भ राशि: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको खुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुड़ने से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप अपने एक्सपीरियंस का इस्तेमाल करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे आपको जल्द ही सफलता मिलेंगी।

मीन राशि:आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे। नए लोगों से मिलना और बातें करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। किसी समस्या का समाधान मिलने से आपको राहत मिलेगी। आज ऑफिस में आपके कामकाज की तारीफ होगी।

धान-परती भूमि में सरसों की खेती से किसानों की अच्छी आय संभव

डॉ. पी.के. राय

छत्तीसगढ़ की परती भूमि अब सोना उगलने लगी है। धान का कटोरा कहे जाने वाले इस राज्य में किसानों का रुझान राई-सरसों की खेती की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इससे न केवल किसानों को अतिरिक्त आमदनी मिलना शुरू हुई है, बल्कि देश को खाद्य तेल में आत्मनिर्भर बनाने की राह भी आसान होती नजर आ रही है। बता दें कि यहां के किसान धान कटाई के बाद खेतों को खाली छोड़ देते हैं, यानी रबी फसल की बुवाई नहीं करते हैं।

इस कारण उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। किसानों के इन हालातों को देखते हुए आईसीएआर-राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने ठोस रोडमैप के साथ प्रयास शुरू किए। परिणामस्वरूप परती भूमि पर अब सरसों की फसल लहलहाने लगी है। संस्थान के वैज्ञानिकों का कहना है कि राज्य की भूमि में खजाना छिपा हुआ है। यदि किसान धान कटाई के बाद देर से पकने वाली राई-सरसों किस्मों की बुवाई करें तो उनकी आर्थिक स्थिति में असम के किसानों के समान बदलाव देखने को मिल सकता है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में कुल कृषि क्षेत्र 4.78 मिलियन हेक्टेयर है। इसमें केवल 23 प्रतिशत क्षेत्र सिंचित है। वार्षिक वर्षा लगभग 1190 मिमी है, जिसमें लगभग 88 प्रतिशत वर्षा मानसून (मध्य जून से सितंबर) के दौरान होती है। इस दौरान किसान धान का बड़े पैमाने पर उत्पादन लेते हैं। वहीं रबी में गेहूं और थोड़े क्षेत्रफल में दलहनों की बुवाई करते हैं, लेकिन राई-सरसों का उत्पादन हाशिए पर है। वैज्ञानिकों का कहना है कि परती भूमि, बस्तर के पठारी और उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में राई-सरसों की खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि संस्थान का यह शुरुआती प्रयास है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं।

उन्होंने बताया कि धान कटाई के बाद कृषि भूमि परती रह जाती है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों

का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता और किसानों की आय बढ़ाने के अवसर सीमित हो जाते हैं। राई-सरसों की फसल परती भूमि को उत्पादक बनाने में मददगार बन सकती है।

परती भूमि की चुनौती

छत्तीसगढ़ में लगभग 3.9 मिलियन हेक्टेयर में धान की खेती होती है, जबकि धान उत्पादन लगभग 9.8 मिलियन टन है। खरीफ में अधिक वर्षा और चिकनी मिट्टी के कारण धान का उत्पादन भरपूर होता है, लेकिन रबी में यही खेती सीमित रह जाती है। धान के कुल क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत भाग ही सिंचित है, जिससे कटाई के बाद पठारी और पहाड़ी क्षेत्रों के लगभग 40-60 प्रतिशत खेत परती रह जाते हैं। इस स्थिति में राई-सरसों का बुवाई क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है।

31 हजार हेक्टेयर में खेती

संस्थान के संयुक्त निदेशक डॉ. पंकज शर्मा ने बताया कि यहां की जलवायु रबी तिलहन के लिए अनुकूल है, बशर्ते खरीफ के बाद मृदा में नमी का संरक्षण और उचित कृषि तकनीकों का प्रभावी उपयोग किया जाए। क्योंकि राई-सरसों को कम पानी में उगाया जा सकता है और यह कम समय में पक जाती है।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में महज 31 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सरसों की खेती होती है। करीब 17,260 टन उत्पादन और उत्पादकता 563 किग्रा प्रति हेक्टेयर है, जिसे वैज्ञानिक तकनीकों के समावेश से और बढ़ाया जा सकता है।

20 प्रतिशत ज्यादा उपज

उन्होंने बताया कि अनुसंधान परीक्षण के आधार पर धान के परती खेतों में राई-सरसों की अच्छी पैदावार मिलती है। इस फसल की लगभग 20 प्रतिशत अधिक पैदावार प्राप्त हुई है। प्रदर्शन के दौरान सरसों की किस्म डीआरएमआर-150-35 ने उत्साहजनक परिणाम दिए। यह किस्म 95-110 दिनों में पक जाती है, जिससे धान की कटाई के बाद मध्य नवंबर से दिसंबर के प्रथम सप्ताह तक इसकी बुवाई सहजता से की जा सकती है। इसके अलावा किसान छत्तीसगढ़ सरसों, टीबीएम, एनआरसीएचबी-101 और बीबीएम-1 जैसी किस्मों का उपयोग कर सकते हैं।

किसानों को आजीविका सुरक्षा

धान परती क्षेत्रों में राई-सरसों को शामिल करने से किसानों की आय और आजीविका सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार संभव है। वर्षा आधारित धान पारिस्थितिकी तंत्र में किए गए प्रदर्शनों से यह सिद्ध हुआ है कि शून्य जुताई के तहत राई-सरसों से 8-14 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक उपज प्राप्त की जा सकती है। इससे प्रति हेक्टेयर 27 हजार रुपये से अधिक का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। साथ ही सरसों के साथ मधुमक्खी पालन करके किसान अपनी आमदनी को और भी बढ़ा सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में राई-सरसों की खेती किसानों को त्रिस्तरीय लाभ दे सकती है, जिसमें आय वृद्धि, परती भूमि का उपयोग और खाद्य तेल उत्पादन में बढ़ोतरी शामिल है। इस फसल से राज्य के कृषि परिदृश्य को बदला जा सकता है।

इस फसल पर अनुसंधान के काफी उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं।

श्रीनगर-बारामूला हाईवे पर संदिग्ध वस्तु बरामद, सुरक्षाबलों ने सील किया इलाका

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर-बारामूला राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब सुरक्षाबलों को सड़क के किनारे एक संदिग्ध वस्तु दिखाई दी। ऐसी आशंका है कि यह आईईडी हो सकती है, जिसे किसी बड़ी साजिश के तहत वहां रखा गया था।

जवानों ने तुरंत इलाके को घेर लिया है और एहतियात के तौर पर दोनों ओर से वाहनों की आवाजाही रोक दी है, जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गई है। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया है। जानकारी के अनुसार, पूरे इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है और जवानों ने आसपास के इलाकों में पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। इससे पहले 5 फरवरी को जम्मू और कश्मीर के राजौरी जिले के खाबलान इलाके से भी एक आईईडी बरामद किया गया था।

यूजर्स को राहत : भारत समेत दुनियाभर में फिर से बहाल हुई यूट्यूब की सेवाएं, देर रात हो गया था डाउन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत समेत दुनियाभर में वीडियो शेयरिंग साइट यूट्यूब की सेवाएं फिर से बहाल हो गई हैं। पिछले कुछ घंटों में तकनीकी खराबी के कारण यूट्यूब यूजर्स को होमपेज समेत वीडियो नहीं दिख रहे थे। यूट्यूब ने आधिकारिक तौर पर बताया कि हमारे रिकमेंडेशन सिस्टम की दिक्कत ठीक हो गई है और हमारे सभी प्लेटफॉर्म (यूट्यूब.कॉम, यूट्यूब ऐप, यूट्यूब म्यूजिक, किड्स और टीवी) वापस नॉर्मल हो गए हैं। हम शुक्रगुजार हैं कि आपने इसे सुलझाने में हमारा साथ दिया।

यूट्यूब मंगलवार देर रात से पूरी तरह डाउन हो गया। दुनिया भर से यूजर्स ने परेशानियों का सामना किया। यूट्यूब पर वीडियो (होमपेज, यूट्यूब ऐप, यूट्यूब म्यूजिक और किड्स) नहीं दिख रहे थे। कंपनी ने 'एक्स' पर एक सपोर्ट पेज से लिंक करते हुए कहा, अगर आपको अभी यूट्यूब एक्सेस करने में दिक्कत आ रही है, तो आप अकेले नहीं हैं। हमारी टीमें इस पर काम कर रही हैं।ट्रैकिंग वेबसाइट डाउन डिटेक्टर ने बताया कि यूजर बेस से 30 लाख से अधिक समस्याओं की रिपोर्ट मिलीं। हालांकि, भारतीय समयानुसार लगभग 6.30 बजे पर चरम पर पहुंचने के बाद शिकायतों की संख्या कम होती दिखाई दी। यूट्यूब ने सेवाओं के बाधित होने की पुष्टि की और कहा, हमें पता है कि आप में से कुछ लोगों को अभी यूट्यूब एक्सेस करने में दिक्कत आ रही है। हमारी टीम इसको ठीक करने में लगी है। जैसे ही हमें अपडेट मिलेंगे, हम आपको बता देंगे।बाद में यूट्यूब ने एक अपडेट जारी कर बताया कि होमपेज वापस आ गया है, लेकिन टीम 'पूरे फिक्स' पर काम कर रही है। आउटेज के सबसे गंभीर समय के दौरान, वेबसाइट के होमपेज पर आने वाले उपयोगकर्ताओं को बाद में वापस आने का संदेश दिखाई दे रहा था। गूगल के स्वामित्व वाली साइट यूट्यूब दुनिया का सबसे बड़ा वीडियो शेयरिंग प्लेटफॉर्म है, जिसके हर महीने 2.5 अरब से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डा. मोहन भागवत का पंजाब प्रवास 25 फरवरी से

जालंधर (आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 25 फरवरी को अपने प्रवास के दौरान पंजाब पहुंच रहे हैं। संघ के शताब्दी वर्ष और संघ के पंच परिवर्तन विषयों को लेकर वे नियमित रूप से पूरे देश का प्रवास कर रहे हैं और इसी श्रृंखला में वे पंजाब आ रहे हैं। अपने प्रवास के पहले चरण में 25 फरवरी को वे पठानकोट में वे प्रात: 10.15 बजे से 12.00 तक पूर्व सैनिक अधिकारियों की गोष्ठी को सम्बोधित करेंगे। सांय 4 से 5:30 बजे तक पठानकोट जिला युवा स्यंसेवक एकत्रिकरण कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। प्रवास के अगले दिन 26 फरवरी को लुधियाना में सांय 3.30 से 5 बजे तक होने वाली प्रम्मुख नागरिक गोष्ठी में हिस्सा लेंगे।

'एक पौधा प्रतिदिन': केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के पर्यावरण संरक्षण संकल्प के 5 वर्ष पूरे, कल होगा विशेष आयोजन

नई दिल्ली/भोपाल (आरएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अनोखे पौधारोपण संकल्प के 5 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 19 फरवरी को नई दिल्ली के पूसा स्थित एपी शिंदे हॉल, नॉस्क कॉम्प्लेक्स में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन उस हरित यात्रा का उत्सव है, जो शिवराज सिंह चौहान द्वारा 19 फरवरी 2021 को नर्मदा जयंती पर अमरकंटक में रूद्राक्ष और साल के पौधे रोपकर लिए गए संकल्प से शुरू हुई थी कि वे प्रतिदिन कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएंगे और जिसे उन्होंने पूरी निरंतरता के साथ निभाया है।19 फरवरी को आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत पौधारोपण से होगी, जहां 5 पौधे रोपे जाएंगे, जो इस संकल्प की निरंतरता और भविष्य की हरित प्रतिबद्धता का प्रतीक होंगे। इसके बाद मुख्य कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ होगा।

तकनीक केवल कार्य को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसके स्वरूप को बदलती है: पीएम मोदी

शुरुआती उपयोगकर्ताओं तक सीमित ना रहे एआई, इसका लाभ सभी लोगों तक पहुंचे

नई दिल्ली,(ए.)। पीएम नरेंद्र मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को मानव-केंद्रित बनाने को लेकर कहा कि इस तकनीक के लाभ सभी लोगों तक पहुंचने चाहिए, न कि केवल शुरुआती उपयोगकर्ताओं तक सीमित रहना चाहिए। उन्होंने यह बात बुधवार को एक इंटरव्यू के दौरान कही, जिसमें आगामी एआई इम्पैक्ट समिट पर चर्चा की गई। पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सोच में भारत के लिए एआई की रणनीति तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है- सार्वभौमिकता, समावेशिता और नवाचार। उनका मानना है कि भारत को केवल एआई का इस्तेमाल करने वाला देश नहीं बल्कि इसे बनाने और विकसित करने वाला शीर्ष तीन देशों में शामिल होना चाहिए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने युवाओं की चिंता को समझते हुए कहा कि एआई के कारण रोजगार के स्वरूप में बदलाव होना एक वास्तविक चिंता है। उन्होंने कहा कि तैयारी ही भय का सबसे अच्छा इलाज है। इसी कारण हम अपने लोगों को एआई-उन्मुख भविष्य के लिए कौशल और पुन:कौशल प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि तकनीक केवल कार्य को समाप्त नहीं करती, बल्कि उसके स्वरूप को बदलती है और नई तरह की नौकरियां पैदा करती है। पीएम मोदी ने एआई को एक शक्ति-वर्धक के रूप में देखा, जो मानव क्षमताओं को नए स्तर तक बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल परिवर्तन से भारत की अर्थव्यवस्था

में नई तकनीकी नौकरियां भी उत्पन्न होंगी।

एआई इम्पैक्ट समिट-2026 के विषय को उन्होंने लोग, ग्रह और प्रगति के रूप में बताया और कहा कि एआई का उद्देश्य केवल नवाचार नहीं बल्कि समाज के सभी वर्गों तक लाभ पहुंचाना होना चाहिए। मोदी ने कहा कि एआई सिस्टम ज्ञान और डेटा पर आधारित होते हैं जो पूरी दुनिया में उत्पन्न होते हैं। इसलिए इसके लाभ केवल कुछ विशेष लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि एआई इम्पैक्ट समिट-2026 पहली बार ग्लोबल साउथ में आयोजित किया जा रहा है।

इसका उद्देश्य उन आवाजों और विकास प्राथमिकताओं को बढ़ावा देना है जो अक्सर कम प्रतिनिधित्व वाली रहती हैं। उन्होंने कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, विरासत संरक्षण और अन्य क्षेत्रों में एआई के अनुप्रयोग पर उदाहरण देते हुए बताया कि अमूल ने एआई का इस्तेमाल कर 36 लाख महिला डेयरी किसानों को उनके गांवों में पशु स्वास्थ्य और उत्पादकता संबंधी मार्गदर्शन दिया। मोदी ने कहा कि जहां पूरी दुनिया एआई के कारण असमानताओं की चिंता कर रही है, भारत इसे कम करने के लिए इस्तेमाल कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने एहतियात और मानव नियंत्रण पर जोर देते हुए कहा कि एआई का इस्तेमाल मानव क्षमता बढ़ाने के लिए होना चाहिए, न कि निर्णय लेने में इसे पूर्ण रूप से शामिल करने के लिए। उन्होंने इंडियाएआई सुरक्षा संस्थान की स्थापना का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत ने एथिकल और सुरक्षित एआई के लिए ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एआई के संभावित खतरों और नुकसान से बचने के लिए दुनिया भर में एक साझा समझ विकसित करना जरुरी है। इसमें मानव निगरानी, सुरक्षा-डिज़ाइन, पारदर्शिता और गहरी नकली सामग्री, अपराध और आतंकवाद में एआई के इस्तेमाल पर रोक जैसे सिद्धांत शामिल होने चाहिए। पीएम मोदी ने निष्कर्ष में यह कहा कि भारत का दृष्टिकोण स्थानीय जोखिमों और सामाजिक वास्तविकताओं पर आधारित है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एआई को सभी के लिए सुरक्षित और समावेशी बनाते हुए नवाचार को भी प्रोत्साहित किया जा सकता है।

मशहूर एक्ट्रेस प्रवीणा देशपांडे का 60 साल की उम्र में निधन, लंबे समय से लड़ रही थीं कैंसर से जंग

मुंबई (आरएनएस)। हिंदी और मराठी मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। अपनी बेहतरीन अदाकारी से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाने वाली मशहूर अभिनेत्री प्रवीणा देशपांडे का 60 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। वह साल 2019 से मल्टीपल मायलोमा (ब्लड कैंसर) जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारी से मजबूती से जंग लड़ रही थीं, लेकिन आखिरकार 17 फरवरी को उन्होंने अंतिम सांस ली। दिवंगत अभिनेत्री के शोकाकुल परिवार ने उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए यह दिल दहला देने वाली खबर साझा की है। प्रवीणा देशपांडे का अंतिम संस्कार आज दोपहर 3 बजे मुंबई के अंधेरी ईस्ट स्थित चकला पारसीवाड़ा के एक हिंदू श्मशान घाट पर नम आंखों के बीच किया गया। उनके इस तरह चले जाने से सिनेमा और टीवी जगत को एक अपूरणीय क्षति हुई है।

सलमान खान की 'रेडी' समेत इन फिल्मों से मिली थी खास पहचान

प्रवीणा देशपांडे को हिंदी और मराठी सिनेमा में उनके बेहतरीन सपोर्टिंग और कैरेक्टर रोल्स के लिए हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा। यूं तो उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, लेकिन दर्शकों के बीच उन्हें सबसे बड़ी पहचान सलमान खान की साल 2011 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'रेडी' से मिली। इस फिल्म में उनके द्वारा निभाए गए 'शालू चौधरी' के किरदार ने लोगों के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी थी।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने नई दिल्ली में एआई इम्पैक्ट समिट में कोयला मंत्रालय के पवेलियन का उद्घाटन किया.

भारत-फ्रांस के रिश्ते 'स्पेशल ग्लोबल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप' में अपग्रेड, रक्षा और एआई समेत हुए कई ऐतिहासिक समझौते

नई दिल्ली , (आरएनएस)। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की 17 से 19 फरवरी तक चलने वाली भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कूटनीतिक और रणनीतिक संबंधों का एक नया अध्याय शुरू हुआ है। राष्ट्रपति मैक्रों की यह अहम यात्रा मुंबई से शुरू हुई, जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक विस्तृत और अहम द्विपक्षीय बैठक की। इसके बाद दोनों शीर्ष नेताओं ने नई दिल्ली में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट' (AI Impact Summit) में भी शिरकत की। इस दौरे का सबसे बड़ा और ऐतिहासिक परिणाम यह रहा कि भारत और फ्रांस के बीच अब तक के संबंधों को अपग्रेड करते हुए इसे विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी (Special Global Strategic Partnership) का दर्जा दे दिया गया है।

रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में भारत की बड़ी छलांग

रक्षा क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भरता' को और मजबूत करते हुए दोनों

देशों के बीच रक्षा सहयोग समझौते का नवीनीकरण किया गया है। इसके तहत कर्नाटक के वेमगल में एच-125 (H 125) हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन का आधिकारिक उद्घाटन किया गया। साथ ही, भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत बढ़ाने के लिए 'हैमर' (HAMMER) मिसाइलों के स्वदेशी उत्पादन को लेकर बीईएल (BEL) और फ्रांसीसी कंपनी सफ्रान (Safran) के बीच एक संयुक्त उद्यम पर मुहर लगी है। सैन्य स्तर पर सहयोग को और गहरा करने के लिए भारतीय सेना और फ्रांसीसी लैंड फोर्सेज के अधिकारियों की एक-दूसरे के यहां पारस्परिक तैनाती का फैसला लिया गया है। इसके अलावा, एयरोनॉटिक्स में स्किलिंग के लिए एक नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और एक संयुक्त एडवांस्ड टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट ग्रुप का भी गठन किया गया है।इस दौरे पर तकनीक और भविष्य के इनोवेशन पर भी खासा जोर देखने को मिला। दोनों देशों ने साझा रूप से 'भारत-फ्रांस इनोवेशन ईयर 2026' और एक नए इनोवेशन नेटवर्क का शुभारंभ किया है। स्वास्थ्य और तकनीक को जोड़ते हुए नई दिल्ली स्थित एम्स (AIIMS) में 'एआई इन हेल्थ' (AI in Health) के लिए एक खास इंडो-फ्रेंच सेंटर की शुरुआत की गई है।

पंजाब की सड़कों पर लोगों की जान बचा रहीं हाईटेक एंबुलेंसें

चंडीगढ़ (आरएनएस)। पंजाब के लोग सुरक्षित सफर कर सकें इसके लिए पंजाब सरकार तत्परता के साथ काम कर रही है। दुर्घटनाओं पर रोकथाम लगाने के लिए पूरे पंजाब में गुणवत्तापूर्ण सडक़ों का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति का अहम हिस्सा बनी चिकित्सा उपकरणों से सुसज्जित हाईटेक एंबुलेंसें लोगों की जान बचाने में मुख्य भूमिका निभा रही है। सबसे बड़ी बात ये एंबुलेंसें शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 20 मिनट के भीतर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचती हैं। पंजाब सरकार ने अब तक 371 हाईटेक एंबुलेंसों की सुविधा प्रदेश के लोगों के लिए शुरू की हैं। इसके अलावा 108 टोल-फ्री हेल्पलाइन जनता की सेवा के लिए 24 घंटे उपलब्ध है। एक कॉल से पूरा रिस्पॉन्स चेन शुरू हो जाता है, जिसमें कंट्रोल रूम, जीपीएस ट्रैकिंग, पैरामेडिक्स, एम्बुलेंस और अस्पताल एक साथ काम करते हैं। पंजाब में 371 एम्बुलेंस तैनात हैं, जिसमें 46 नई हाई-टेक गाडिय़ां शामिल हैं। इनमें से सात एम्बुलेंसों को समाना (पटियाला) में चाइल्ड मेमोरियल एम्बुलेंस के तौर पर समर्पित किया गया है, उन बच्चों की याद में जिनकी जून 2025 की शुरुआत में एक दुखद सडक़ दुर्घटना में जान चली गई थी। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान सुनिश्चित कर रहे हैं कि हर एक घायल या बीमार को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करवाई जाएं। इसके लिए सभी संबंधित ढांचे को मजबूत किया गया है। इन एंबुलेंसों में जीपीएस और जीवन रक्षक दवाएं मौजूद हैं। मरीजों का आवश्यकतानुसार जरूरी उपचार तत्काल करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण भी एंबुलेंसों में हैं। इन उपकरणों से मरीज की जान बचाने में सहायता मिलती है। लुधियाना, अमृतसर और जालंधर जैसे शहरों में, ट्रैफिक जाम अक्सर मरीज़ों और समय पर इलाज के बीच रुकावट बनता है। इस समस्या से निपटने के लिए, पंजाब राज्य में हाई-टेक एम्बुलेंस में ट्रैकिंग सिस्टम लगे हैं जिनमें जीपीएस की सुविधा है और वे सेंट्रल कंट्रोल रूम से जुड़े हुए हैं। इससे यह पक्का होता है कि एम्बुलेंस शॉर्टकट ले और बहुत कम समय में अपने मरीज़ों तक पहुँचें।पंजाब की 5500 किलोमीटर की राज्य व राष्ट्रीय मार्गों पर अत्याधुनिक वाहनों से लैस सडक़ सुरक्षा फोर्स के 5000 कर्मचारी लोगों की जान की रक्षा के लिए 24 घंटे सेवा निभा रहे हैं। सडक़ सुरक्षा फोर्स की एक गाड़ी को मात्र 30 किलोमीटर का दायरा दिया गया है ताकि वह आसानी से इस दायरे को कवर कर सके।

ईजी रजिस्ट्री और ईजी जमाबंदी? तहसीलों के बार-बार चक्कर लगाने का झंझट खत्म

चंडीगढ़ ,(आरएनएस)। राजस्व सेवाओं में भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए पंजाब सरकार ने ऐसे कदम उठाए हैं जिनकी जनता में जमकर तारीफ होती है। इन कदमों से जहां जनता के काम कम समय में हो रहे हैं वहीं उन्हें अब रिश्वत, सिफारिशों के झंझट से भी मुक्ति मिल गई है। जैसे कि तहसील के बार-बार चक्कर लगाकर परेशान होने वाली जनता की सुविधा के लिए ईजी रजिस्टरी (जमाबंदी) पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पहल ने आसान पंजीकरण परियोजना शुरू की है, जिससे राज्य में पटवारी कल्चर को खत्म कर दिया गया। यह पोर्टल भूमि रिकॉर्ड के लिए पटवारी या राजस्व अधिकारी के पास जाने, कतारों में खड़े होने, या रिश्वत देने की परंपरा को खत्म करता है। इस पोर्टल के लॉन्च के साथ, लोग ईजी जमाबंदी वेबसाइट पर जाकर और अपना विवरण देकर आसानी से मुफ्त में जमाबंदी की कॉपी प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, यह डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित है और इसमें एक क्यूआर कोड है, जिसे कोई भी भूमि रिकॉर्ड को सत्यापित करने के लिए स्कैन कर सकता है।

इस पहल के हिस्से के रूप में, राज्य सरकार ने पंजाब के 99 प्रतिशत गांवों के भूमि रिकॉर्ड को डिजिटाइज़्ड किया है। वे सभी भूमि रिकॉर्ड आसान जमाबंदी पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किए जा सकते हैं। म्यूटेशन की प्रक्रिया आसान हो गई है, और ज़मीन खरीदने या संपत्ति विरासत में मिलने के बाद स्वामित्व को अपडेट करना अब आसान हो गया है, क्योंकि पटवारी बाधाएं पैदा नहीं कर सकते हैं। पहले, इस प्रक्रिया में महीनों लग जाते थे। यदि कोई अपनी रजिस्ट्री करवाता है, तो म्यूटेशन 30 दिनों के भीतर स्वचालित रूप से हो जाएगा और विरासत के मामले में, वे आसान जमाबंदी वेबसाइट पर ऑनलाइन म्यूटेशन के लिए अनुरोध जमा कर सकते हैं और 30 दिनों की सख्त समय सीमा के भीतर पूरा हो जाता है, जिसके बाद उन्हें प्रक्रिया के हर चरण में व्हाट्सएप पर अपडेट मिलेगा।

'महिला का नाड़ा खोलना रेप की कोशिश, सिर्फ अश्लील हरकत नहीं', सुप्रीम कोर्ट ने पलटा HC का फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मार्च 2025 के उस विवादास्पद आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें आरोपी के कृत्य को कम गंभीर मानते हुए उसे दुष्कर्म का प्रयास नहीं माना गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किसी महिला या नाबालिग के पायजामे का नाड़ा खोलना और कपड़े उतारने की कोशिश महज अश्लील हरकत या छेड़छाड़ नहीं, बल्कि दुष्कर्म के प्रयास की श्रेणी में आएगा।यह मामला उत्तर प्रदेश का है। आरोप था कि आरोपियों ने एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ की, उसका पायजामे का नाड़ा तोड़ा और उसे पुलिया के नीचे घसीटने का प्रयास किया। हालांकि, मौके से गुजर रहे लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी फरार हो गए।ट्रायल कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत कठोर आरोप तय किए थे। लेकिन मार्च 2025 में Allahabad High Court ने अपने फैसले में इसे दुष्कर्म का प्रयास मानने से इनकार करते हुए कहा था कि यह केवल अपराध की तैयारी है, जो महिला की गरिमा भंग करने या छेड़छाड़ जैसा कम गंभीर अपराध है। इस निर्णय के बाद व्यापक आक्रोश देखने को मिला। एनजीओ 'वी द वुमन' की संस्थापक और वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता के पत्र पर स्वत: संज्ञान लेते हुए Supreme Court of India ने मामले की सुनवाई की। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हाईकोर्ट के आदेश को पूरी तरह खारिज कर दिया।प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि ऐसे कृत्य को कम गंभीर अपराध मानना न्याय की भावना के विपरीत है। पायजामे का नाड़ा खोलना और कपड़े उतारने का प्रयास सीधे तौर पर दुष्कर्म के प्रयास के समान है। उन्होंने कहा कि कोई भी न्यायालय तब तक पूर्ण न्याय नहीं कर सकता, जब तक वह मामले के तथ्यों की वास्तविकता और पीड़िता की संवेदनशील स्थिति को समझते हुए निर्णय न दे। न्यायिक निर्णयों में केवल कानूनी सिद्धांत ही नहीं, बल्कि करुणा और सहानुभूति का समावेश भी आवश्यक हैसुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों के खिलाफ पोक्सो अधिनियम के तहत दुष्कर्म के प्रयास के मूल और कठोर आरोप बहाल कर दिए हैं। साथ ही, न्यायालय ने भविष्य के लिए महत्वपूर्ण पहल करते हुए नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी के निदेशक और पूर्व न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस को एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है। यह समिति यौन अपराधों और संवेदनशील मामलों की सुनवाई के दौरान न्यायाधीशों के लिए संवेदनशीलता और करुणा पर आधारित सरल भाषा में दिशा-निर्देश तैयार करेगी।

UP में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा, मायावती ने किया ऐलान; बोलीं-गठबंधन की खबरें निराधार

लखनऊ (ए)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है। उन्होंने किसी भी दल के साथ गठबंधन की चल रही चर्चाओं को पूरी तरह भ्रामक और निराधार बताया है।मायावती ने पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गठबंधन से जुड़ी अफवाहों पर ध्यान न दें और हाथी की मस्त चाल के साथ चुनावी तैयारियों में जुट जाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बीएसपी अपनी ताकत पर भरोसा करती है और बिना किसी सहारे के चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि अन्य दलों के साथ हाथ मिलाने की खबरें जानबूझकर फैलाई जा रही हैं, ताकि कार्यकर्ताओं का ध्यान भटकाया जा सके। पार्टी का लक्ष्य वर्ष 2007 की तरह प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाना है।मायावती ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि विरोधियों के दुष्प्रचार से प्रभावित होने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आह्वान किया कि जमीनी स्तर पर जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए, ताकि पूर्ण बहुमत का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

परफेक्ट मुस्कान के पीछे उम्मीदों के बोझ को तलाशती संदीपा धर

ऐसी दुनिया में जहाँ परफेक्शन की सराहना तो होती है, लेकिन उसके पीछे छिपी भावनाओं को शायद ही कोई समझना चाहता है, वहां संदीपा धर दो दीवाने सहर में में नैना के एक बेहद संवेदनशील किरदार के साथ सामने आ रही हैं। नैना एक ऐसी युवती है, जो बाहर से पूरी तरह सुलझी हुई, आत्मविश्वासी और परफेक्ट दिखती है, लेकिन भीतर ही भीतर अपनी पहचान, अकेलेपन और अपेक्षाओं के बोझ से जूझ रही है। विशेष रूप से सलीके से सजी मुस्कान और सहज अंदाज़ के पीछे छिपी एक ऐसी कहानी, जो अपने अस्तित्व के साथ हर हाल में ठीक दिखने की थकान को बयां करती है। अपने किरदार नैना के बारे में बात करते हुए संदीपा कहती हैं, नैना वो लड़की है, जिसमें हममें से बहुत से लोग खुद को देख सकते हैं। वो मुस्कुराती है, हर ज़िम्मेदारी निभाती है और बाहर से लगता है कि सब कुछ कंट्रोल में है। लेकिन अंदर ही अंदर वो खुद से कटी हुई है, जैसे वो अपनी ही ज़िंदगी में एक किरदार निभा रही हो और असली खुद को भूल चुकी हो। हालांकि आज के समय में ये दबाव बहुत आम बात है, जहां हर हाल में ठीक दिखने की अपेक्षा की जाती है, फिर चाहे आपके अंदर कुछ भी चल रहा हो।

फिल्म की भावनात्मक गहराई पर बात करते हुए संदीपा आगे कहती हैं, दो दीवाने सहर में मुझे इसलिए खास लगी क्योंकि यह नज़रअंदाज़ होने की भावना को बेहद खूबसूरती से दिखाती है। कई बार जितना ज़्यादा आप परफेक्ट दिखते हैं, उतना ही मुश्किल हो जाता है ये स्वीकार करना कि अंदर कुछ टूट रहा है। सच खून तो नैना की जर्नी आईने के सामने खड़े होने और शायद पहली बार खुद से ईमानदार होने की है।

अपने किरदार से जुड़ी उम्मीदों पर संदीपा कहती हैं, मुझे यकीन है कि फिल्म देखने के बाद लोग खुद से ये ज़रूर पूछेंगे कि दुनिया की उम्मीदों से परे वे कौन हैं? हालांकि मेरी कोशिश है कि वे खुद को देखा हुआ महसूस करें, क्योंकि हर शांत और सधे हुए चेहरे के पीछे एक कहानी होती है, जो हमेशा सुनी नहीं जाती।

सच पूछिए तो 20 फरवरी को रिलीज़ हो रही फिल्म दो दीवाने सहर में के ज़रिए संदीपा धर दर्शकों को उन मुखौटों पर सवाल उठाने का, जिन्हें हम रोज़ पहनते हैं, और उन आईनों से सामना करने का, जिनसे हम अक्सर नज़रें चुरा लेते हैं का मौक़ा देती हैं। इसी के साथ नैना की कहानी के माध्यम से यह फिल्म कई दिलों की सच्चाई को न सिर्फ सामने लाने की कोशिश करती है, बल्कि उन्हें थोड़ा सुकून भी देती है।

हे बलवंत दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी: अभिनेत्री शिवानी नागरम

हाल ही में लिटिल हार्ट्स, राजू वेड्स रामभाई और ईशा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले सफल जोड़ी बन्नी वास और वामसी नंदीपति अब एक पूरी तरह से मनोरंजक फिल्म हे बलवंत (पहले हे भगवान थी) के साथ दर्शकों के सामने आ रहे हैं। फिल्म का निर्माण बी. नरेंद्र रेड्डी त्रिशूल विजनरी स्टूडियोज के बैनर तले कर रहे हैं, निर्देशन गोपी आचार्य कर रहे हैं और इसे नंदीपति एंटरटेनमेंट्स और बन्नी वास वर्क्स प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में सुहास, शिवानी नागराम, वरिष्ठ अभिनेता नरेश और एंकर श्रावंती मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इस अवसर पर सोमवार को अभिनेत्री शिवानी नागराम ने मीडिया से बातचीत की।

उन्होंने बताय कि सुहास के साथ यह मेरी दूसरी और मेरे करियर की तीसरी फिल्म है। उनके साथ पिछली फिल्म में मेरा किरदार बहुत गंभीर था और कहानी भी काफी गंभीर थी। लेकिन इस फिल्म में यह काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है। मुझे यह भूमिका निभाने में बहुत मज़ा आया। पूरी फिल्म दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी। अंत में पिता-पुत्र का प्रेम प्रसंग भी सबको छू जाएगा। मेरे किरदार में मासूमियत के साथ-साथ हास्य भी है।

फिल्म बहुत अच्छी है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह निश्चित रूप से हिट होगी। सुदर्शन, सुहास और मेरे किरदार आपको खूब हंसाएंगे। नरेश और वेन्नेला किशोर के किरदार बेहद मजेदार हैं। क्लाइमेक्स धमाकेदार होगा और बेहद मनोरंजक।

मेरे पास जो भी कहानियां आती हैं, उनमें से मैं हमेशा सबसे अच्छी कहानी चुनता हूं। मेरी पहली फिल्म में कॉमेडी नहीं थी, दूसरी पूरी तरह से कॉमेडी थी, और इस फिल्म में भी कॉमेडी है। मुझे कहानी और अपना किरदार दोनों ही पसंद आ गए, जैसे ही मैंने इसके बारे में सुना।

इस फिल्म में कौन सा व्यवसाय दिखाया गया है? क्या आपका इससे कोई संबंध है? नहीं, फिल्म में दिखाया गया व्यवसाय नरेश सर का पारिवारिक व्यवसाय है। मेरा इससे कोई संबंध नहीं है। आपको इसे सिनेमाघरों में देखना चाहिए और आनंद लेना चाहिए। आपको खूब हंसी आएगी। यह रंगीन दृश्यों और बेहतरीन संगीत से भरपूर एक मनोरंजक फिल्म है। नरेश और वेन्नेला किशोर की कॉमेडी आपको खूब हंसाएगी। हर किरदार आपको हंसाएगा। मैंने कुचिपुड़ी और संगीत सीखा है। मैं गायिका से अभिनेत्री बनी हूँ। मैंने लिटिल हार्ट्स में थोड़ा गुनगुनाया था और आरम्भम में एक गाना गाया था। अगर मौका मिले तो मैं गाने के लिए तैयार हूँ। वो बहुत ही मिलनसार और सहयोगी हैं, और एक बेहतरीन अभिनेता हैं। इस फिल्म में हमारी जोड़ी दर्शकों का मनोरंजन करेगी। हमारे साथ के दृश्यों का दर्शक भरपूर आनंद लेंगे। मेरा परिवार बहुत सहयोगी है। उन्होंने मुझे जो अवसर दिया, उसका मैंने अच्छे फिल्मों में उपयोग करके खुद को साबित किया। वे बहुत खुश हैं। लिटिल हार्ट्स की सफलता के बाद आप ऑफर्स को कैसे मैनेज कर रही हैं? मैं सफलता को एक अवसर मानकर अगली फिल्म की ओर बढ़ती हूं, लेकिन मैं फिल्म तभी स्वीकार करती हूं जब मुझे कहानी पसंद आए, चाहे कलाकारों का संयोजन कैसा भी हो। मैं देखती हूं कि क्या मैं कहानी से जुड़ पाती हूं और मेरा किरदार कितना महत्वपूर्ण है। यही मेरे लिए मायने रखता है।मैंने शुरू में गंभीरता से अभिनेता बनने की योजना नहीं बनाई थी, लेकिन अब मुझे पहचान मिल गई है। मुझे अच्छी फिल्में, अच्छी टीम और अच्छे सह-कलाकार मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। मेरे पास जो भी ऑफर आते हैं, उनमें से मैं सर्वश्रेष्ठ का चयन करता हूं। मैं 100 फिल्में नहीं करना चाहता; अगर मैं पांच भी करूं, तो उनकी कहानी अच्छी होनी

चाहिए। अगर आपको स्टार हीरो के साथ काम करने के ऑफर मिलें, तो क्या आप कहानी की परवाह किए बिना उन्हें स्वीकार कर लेंगी? मेरे लिए सिनेमा तो सिनेमा है। अगर मुझे कहानी और मेरा किरदार पसंद आएगा, तो मैं उसे स्वीकार कर लूंगी। मैं बिना किसी पूर्व अनुभव के आई हूं। दर्शकों द्वारा दिए गए सम्मान को बनाए रखना महत्वपूर्ण है। बहुत खुश हूं।

अब अभिनेताओं के साथ-साथ लेखक और निर्देशक भी बढ़ गए हैं। तेलुगु लड़कियों को ज़्यादा मौके मिल रहे हैं। अब छोटी-बड़ी फिल्मों का कोई फर्क नहीं रह गया है। छोटी फिल्में भी बड़ी हिट हो रही हैं। कई लोगों ने कहा कि अगर लगातार फिल्में नहीं करोगी तो गायब हो जाओगी, लेकिन मैं चाहती हूं कि लोग कहें कि मैं हमेशा अच्छी फिल्में चुनती हूं। मैं दूसरी हीरोइनों की तरह ही फिल्मों को लेकर चुनिंदा रहना चाहती हूं। मुझे हर प्रकार की फिल्में पसंद हैं, लेकिन विशेष रूप से रोमांटिक कॉमेडी। जब मूड खराब होता है, तो ऐसी मनोरंजक फिल्में देखने से मूड ठीक हो जाता है। मैं सभी शैलियों की फिल्में करना चाहता हूँ।

मेरी फिल्में ओटीटी पर आ रही हैं, इसलिए मुझे अलग-अलग भाषाओं से ऑफर मिल रहे हैं। फिलहाल, दो तमिल और दो तेलुगु फिल्मों पर बातचीत चल रही है।

ओ रोमियो का नया गाना जलवा जारी, दुश्मनों पर दहाड़ते दिखे शाहिद कपूर

शाहिद कपूर की हालिया रिलीज फिल्म 'ओ रोमियो' सिनेमाघरों में दर्शकों का ध्यान आकर्षित कर रही है। इसी बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया गाना 'जलवा' जारी कर दिया है, जो अपने तीव्र संगीत और जोशीले अंदाज के कारण चर्चा में है। इस गाने के बोल मशहूर गीतकार गुलजार ने लिखे हैं, जबकि इसे आवाज सोबा सिंह सितारा ने दी है। संगीत निर्देशन विशाल भारद्वाज का है। 'जलवा' की धुन दमदार और ऊर्जावान है, जो फिल्म की कहानी के भावनात्मक और तीखे मोड़ों को और प्रभावशाली बनाती है। गाने में संगीत और शब्दों का संयोजन दर्शकों को तुरंत आकर्षित करता है।गाने को टी-सीरीज़ के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इसे साझा करते हुए शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर लिखा, शोले की तरह, फलक चूम के, जलवा मेरे आशिक का बड़ी धूम से निकला। इस पंक्ति ने प्रशंसकों के बीच उत्साह और बढ़ा दिया है। वीडियो में शाहिद कपूर का किरदार गुस्से और बदले की भावना से भरा नजर आता है। उनके एक्सप्रेशन और स्क्रीन प्रेजेंस गाने को और प्रभावशाली बनाते हैं। अधिकतर दृश्य फिल्म के अहम पलों से लिए गए हैं, जिससे दर्शकों को कहानी की झलक भी मिलती है।

13 फरवरी को रिलीज हुई इस फिल्म में तृप्ति डिमरी, अविनाश तिवारी, नाना पाटेकर, दिशा पाटनी, विक्रांत मैसी और तमन्ना भाटिया भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। दमदार स्टारकास्ट और भावनात्मक कहानी के कारण फिल्म को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

'जलवा' के रिलीज होने के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर गाने की धुन और शाहिद के इंटेंस लुक की खूब चर्चा हो रही है। माना जा रहा है कि यह गाना फिल्म की लोकप्रियता को और मजबूती देगा।

पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह की रिलीज डेट से उठा पर्दा, निर्माताओं ने पोस्टर जारी बताई तारीख

इंतज़ार आखिरकार खत्म हुआ पावरस्टार पवन कल्याण स्टारर और कल्ट कैप्टन हरीश शंकर के डायरेक्शन में बनी, बहुप्रतीक्षित फिल्म उस्ताद भगत सिंह, 26 मार्च, 2026 को दुनिया भर के थिएटर में रिलीज़ होने वाली है। फिल्म अभी पोस्ट प्रोडक्शन में है, और फैंस इसके रिलीज़ होने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। पवन कल्याण की एनर्जी पहले सिंगल, देखेंगे साला में ही साफ़ दिख रही है, जिसमें उनके ज़बरदस्त एक्शन मूव्स दिख रहे हैं। हरीश शंकर उस्ताद भगत सिंह के साथ अपनी पिछली ब्लॉकबस्टर गब्बर सिंह का जादू फिर से जगाने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म पावरस्टार फैंस और सभी उम्र के दर्शकों के लिए एक ट्रीट होने का वादा करती है।फिल्म में टैलेंटेड कास्ट है, जिसमें श्रीलीला, राशि खन्ना, आर पार्थीबन, केएस रवि कुमार, एलबी श्रीराम, राव रमेश, रामकी और केजीएफ अविनाश शामिल हैं। टेक्निकल क्रू में म्यूजिक डायरेक्टर के तौर पर देवी श्री प्रसाद, एडिटर के तौर पर कार्थिका श्रीनिवास और प्रोडक्शन डिजाइनर के तौर पर आनंद साईं शामिल हैं।

सफेद चॉकलेट से बन सकती हैं ये 5 पारंपरिक मिठाइयां, जिनका स्वाद होगा बेमिसाल

सफेद चॉकलेट का नाम सुनते ही लोगों के मन में विदेशी मिठाइयों का ही ख्याल आता है। हालांकि, इस लजीज चॉकलेट से आप कई तरह की पारंपरिक मिठाइयां भी बना सकते हैं। जी हां, सफेद चॉकलेट का इस्तेमाल करके आप पारंपरिक भारतीय मिठाइयों को एक नया ट्विस्ट दे सकते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी पारंपरिक मिठाइयों की रेसिपी बताते हैं, जिनका स्वाद सफेद चॉकलेट मिलाने से और भी ज्यादा बढ़ सकता है।

सफेद चॉकलेट की बर्फी

बर्फी एक पारंपरिक भारतीय मिठाई है और इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए दूध के पाउडर, चीनी और घी को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को थाली में फैलाकर ठंडा होने दें और बाद में इसे टुकड़ों में काटकर परोसें। यह बर्फी बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पसंद आएगी और त्योहारों या विशेष अवसरों पर इसे बनाना आपके मेहमानों को खुश कर देगा।

सफेद चॉकलेट का हलवा

हलवा भारतीय खान-पान का एक अहम हिस्सा है और जिसे सफेद चॉकलेट के साथ एक नया ट्विस्ट दिया जा सकता है। इसके लिए सूजी, दूध, चीनी और घी को मिलाकर एक गाढ़ा मिश्रण तैयार करें। इसके बाद इसमें पिघली हुई सफेद चॉकलेट मिलाएं। इस मिश्रण को धीमी आंच पर पकाते रहें, जब तक कि हलवा गाढ़ा न हो जाए। ऊपर से कटे हुए मेवे डालकर इसे सजाएं और गर्मा-गर्म परोसें।

सफेद चॉकलेट का रसगुल्ला

रसगुल्ला पश्चिम बंगाल की एक मशहूर मिठाई है, जिसे आप सफेद चॉकलेट से एक अनोखा स्वाद दे सकते हैं। इसके लिए पहले चाशनी तैयार करें, फिर छेने के गोल आकार बनाकर उन्हें इसमें डालें। अब इन रसगुल्लों को ठंडा होने दें। इसके बाद परोसने से पहले हर रसगुल्ला के ऊपर थोड़ी-सी पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें। इससे रसगुल्लों का स्वाद और भी बढ़ जाएगा और ये देखने में भी बेहद आकर्षक लगेंगे।

सफेद चॉकलेट के लड्डू

लड्डू भारतीय त्योहारों का एक अहम हिस्सा होते हैं और इन्हें आप सफेद चॉकलेट के साथ बना सकते हैं। इसके लिए बेसन, पिसी चीनी, घी और इलायची पाउडर आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इसके छोटे-छोटे गोले बनाकर उन्हें मेवों से सजा लें। ये लड्डू खाने के बाद आपके घर वाले आपकी खूब तारीफ करेंगे और बार-बार खाने की जिद करेंगे।

सफेद चॉकलेट की काजूकतली

काजूकतली एक पारंपरिक मिठाई है, जिसे काजू के पाउडर और चीनी से बनाया जाता है। इसे आप सफेद चॉकलेट के साथ नया रूप दे सकते हैं। इसके लिए पहले काजू के पाउडर, पिसी चीनी और दूध आदि सामग्री लेकर उनका मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण में पिघली हुई सफेद चॉकलेट डालें और अच्छी तरह मिलाएं। छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर इस मिठाई को परोसें। इसके ऊपर चांदी का वर्क लगाना न भूलें।

ब्रिज एक्सरसाइज को वर्कआउट रुटीन में शामिल करने से मिल सकते हैं ये 5 फायदे

ब्रिज एक्सरसाइज एक सरल और असरदार एक्सरसाइज है, जो आपके शरीर के संतुलन और स्थिरता को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है। यह एक्सरसाइज पीठ, कूल्हों और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए बहुत अच्छी है। इसके अलावा यह शरीर में खून के बहाव को भी सुधार सकती है। इस लेख में हम आपको ब्रिज एक्सरसाइज से मिलने वाले फायदों के बारे में बताएंगे, ताकि आप इसका पूरा लाभ उठा सकें।

पीठ दर्द से मिलती है राहत

अगर आपको पीठ दर्द की समस्या रहती है तो ब्रिज एक्सरसाइज आपके लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से आपकी पीठ की मांसपेशियां मजबूत हो सकती हैं, जिससे दर्द में राहत मिलती है। आपको बस इतना करना है कि जमीन पर पीठ के बल लेटकर अपने पैरों को घुटनों से मोड़ लेना है और हाथों को अपने शरीर के पास रखना है। अब धीरे-धीरे कूल्हों को ऊपर-नीचे करना है।

कूल्हे होते हैं मजबूत

ब्रिज एक्सरसाइज आपके कूल्हों को मजबूत बनाने में भी योगदान दे सकती है। इसे नियमित रूप से करने से कूल्हों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और उनमें लचीलापन आता है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके कूल्हों को आकार भी दे सकती है। ब्रिज एक्सरसाइज पेल्विस और कोर को स्थिर करती है, जिससे आस-पास के जोड़ों पर तनाव कम होता है और पीठ के निचले हिस्से में होने वाले दर्द से भी राहत मिल जाती है।

पेट की चर्बी होती है कम

ब्रिज एक्सरसाइज पेट की चर्बी कम करने में भी मददगार साबित हो सकती है। इस एक्सरसाइज को करने से आपके पेट की मांसपेशियां टोन हो सकती हैं और चर्बी घटाने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर की फिटनेस को भी बढ़ावा दे सकती है। ब्रिज एक्सरसाइज पेट की गहरी मांसपेशियों को सक्रिय करती हैं, जिसमें ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस भी शामिल है। इससे पेट के मध्य भाग को कसने में मदद मिलती है।

सुधरता है खून का बहाव

ब्रिज एक्सरसाइज खून के बहाव को भी सुधारती है। जब आप इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपके शरीर में खून का प्रवाह बेहतर होता है, जिससे आपकी त्वचा और बाल भी स्वस्थ रहते हैं। यह एक्सरसाइज विशेष रूप से शरीर के निचले हिस्से, रीढ़ की हड्डी और मस्तिष्क में खून के बहाव को बेहतर करती है। इसके अलावा यह एक्सरसाइज आपके पूरे शरीर की फिटनेस को भी बढ़ावा देता है।

मिलती है मानसिक शांति

ब्रिज एक्सरसाइज मानसिक शांति प्रदान करने में भी सहायक होती है। जब आप नियमित रूप से इस एक्सरसाइज को करते हैं तो आपका मन शांत रहता है, जिससे तनाव कम होता है और आपकी सोचने-समझने की क्षमता बढ़ सकती है। एक सौम्य बैकबेंड के रूप में यह शारीरिक परिश्रम को गहरी सांस लेने के साथ मिलाकर तंत्रिका तंत्र को शांत करने में सहायक होती है। इसे करने से चिंता और अवसाद से भी छुटकारा मिल सकता है।

श्रीलंका में ऐतिहासिक बदलावः सांसदों की पेंशन खत्म, दिसानायके सरकार ने पूरा किया चुनावी वादा

कोलंबो,(ए.)। श्रीलंका के सांसदों ने मंगलवार को अपनी पेंशन रद्द करने के पक्ष में भारी बहुमत से मतदान किया है। यह साहसिक कदम देश के गंभीर आर्थिक संकट और जनता के बढ़ते आक्रोश के बीच श्रीलंका सरकार द्वारा किए गए एक प्रमुख चुनावी वादे को पूरा करने के लिए उठाया गया है। 225 सदस्यीय श्रीलंकाई संसद में इस विधेयक को लेकर जबरदस्त सहमति दिखाई दी।

सांसदों ने 225 सदस्यीय सदन में 154 मतों से विधेयक पारित कर दिया, जबकि केवल दो मत इसके विरोध में पड़े। शेष विधायक मतदान के दौरान अनुपस्थित रहे। इसके पहले श्रीलंका में सांसद पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद पेंशन पाने के हकदार होते थे। नए कानून के तहत, जो लोग पहले से ही पेंशन प्राप्त कर रहे हैं या इसके लिए पात्र हैं, उन्हें भी पेंशन का भुगतान नहीं होगा। वर्ष 2024 में चुने गए राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके ने अपने चुनाव अभियान के दौरान पेंशन संबंधी प्रावधान को समाप्त करने का वादा किया था। इसी तरह दिसानायके सरकार ने जनता की मांग पर पूर्व राष्ट्रपतियों को मिलने वाली सुविधाओं को सितंबर में समाप्त कर दिया।

इमरान को मिल सकती है बड़ी राहत, जेल से अस्पताल शिफ्ट करने की तैयारी

इस्लामाबाद,(ए)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को इस सप्ताह जेल से अस्पताल शिफ्ट किया जा सकता है। उनकी सेहत, विशेषकर आंखों की रोशनी में गिरावट की रिपोर्ट के बाद सरकार ने यह कदम उठाने के संकेत दिए हैं। जानकारी के मुताबिक 21 से 26 फरवरी के बीच उनकी आंख में इंजेक्शन लगाया जाना प्रस्तावित है, जिसके लिए जेल प्रशासन अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहा है।पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान खान को आंखों के विशेष इलाज के लिए एआई-शिफा आई ट्रस्ट हॉस्पिटल ले जाया जा सकता है। यह अस्पताल आधुनिक मशीनों और विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए जाना जाता है। फिलहाल इस बात पर विचार चल रहा है कि उन्हें अस्पताल में भर्ती रखा जाए या जरूरी डोज देने के बाद वापस जेल लाया जाए। अंतिम निर्णय डॉक्टरों की मेडिकल टीम लेगी।इमरान खान 2023 से अदिअला जेल में बंद हैं। हाल ही में आई स्वास्थ्य रिपोर्ट में दावा किया गया कि उनकी एक आंख की रोशनी 85 प्रतिशत तक प्रभावित हो चुकी है।

शपथ के बाद एक्शन में तारिक रहमान..हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने वालों पर कार्रवाई शुरु

ढाका,(ए.)। तारिक रहमान ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। उनके साथ 13 और कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली है। कैबिनेट में दो हिंदू नेताओं को शामिल किया है। भारत की ओर से शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विदेश सचिव विक्रम मिश्री पहुंचे। वहीं बांग्लादेश के पीएम की शपथ लेते ही तारिक रहमान एक्शन में दिख रहे हैं। रहमान ने चुनाव से पहले जो वादे किए थे उन पर उन्होंने काम करना भी शुरू कर दिया है। तारिक रहमान का कोई वादा सबसे ज्यादा सुर्खियों में रहा, तब वहां था बांग्लादेश की कानून व्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना और हिंदुओं के खिलाफ होने वाली हिंसा को रोकने के लिए सख्त कानूनी सुरक्षा तंत्र लागू करना।

शपथ लेने के बाद तारिक रहमान ने हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर बड़ा एक्शन लिया है। जो भी इन हमले के जिम्मेदार रहे हैं उन पर सबसे तगड़ा एक्शन तेज किया है। दरअसल रहमान ने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा करने और चुनाव के दौरान मारपीट करने वाले नेताओं के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। बांग्लादेश के सिराजगंज में अल्पसंख्यकों की दुकानों में तोड़फोड़ और जबरदस्ती वसूली के आरोप में बीएनपी ने तीन नेताओं को कारण बताओ नोटिस दिया है। वोटरों को डराने, धमकाने सहित कई आरोपों में दो और नेताओं को सस्पेंड किया गया है। चुनाव जीतने के बाद से तारिक रहमान की पार्टी ने पार्टी अनुशासन को लेकर कड़ा कदम उठाया है। तारिक चुनाव प्रचार

के बाद से ही बांग्लादेश में नॉर्मल हालात बहाल करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कानून व्यवस्था बनाए रखने पर जोर दिया है। उनकी पार्टी में अनुशासन को भी उतनी ही अहमियत दी जा रही है। हमलों के आरोप में बीएनपी के तीन नेताओं को कारण बतौर नोटिस दिया है। इसमें फिरोज और आरजू अहमद शामिल हैं।शपथ से कुछ घंटे पहले भी रहमान ने बड़ा बयान देकर कहा था कि हमें सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सभी का सहयोग चाहिए। किसी भी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता। कानून व्यवस्था हर हाल में बनाए रखनी होगी। तारिक रहमान ने दंगाइयों को चेतावनी दी कि किसी भी कीमत पर हिंसा प्रतिशोध या उकसावे की कारवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमेरिकी संसद पर हमले की साजिश नाकाम, 18 साल का युवक गिरफ्तार

वॉशिंगटन,(ए.)। वॉशिंगटन में मंगलवार को संसद भवन पर हमले की साजिश वक्त रहते नाकाम कर दी गई। अमेरिकी संसद भवन के पास से 18 साल का एक युवक को गिरफ्तार किया गया है, जो लोडेड शॉटगन लेकर यूएस कैपिटल की ओर दौड़ रहा था। वक्त रहते कैपिटल पुलिस के अधिकारियों ने उसे घेर लिया और अपनी गिरफ्त में ले लिया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हमलावर यहां पूरी तैयारी के साथ आया था। उसने टैक्टिकल जैकेट और दस्ताने पहने थे। पुलिस ने उसे हथियार नीचे रखने का आदेश दिया, जिस पर उसने शॉटगन जमीन पर रख दी और खुद लेट गया। इसके बाद अधिकारियों ने उसे कैपिटॉल की वेस्ट फ्रंट पर हिरासत में ले लिया। कैपिटॉल पुलिस प्रमुख माइकल सुलिवन ने स्वीकार किया कि अगर यहां अधिकारी मौजूद नहीं होते तो क्या हो सकता था, कोई नहीं जानता।कैपिटॉल पुलिस के मुखिया ने ये भी बताया कि हाल ही में इसी जगह सक्रिय हमलावर से निपटने की मॉक ड्रिल भी की गई थी।

'आएगा भूचाल और तबाह हो जाएंगे दुनिया के कई शहर', 15,000 'शहर-नाशक' एस्टेरॉयड्स का खतराः नासा वैज्ञानिक ने दी चेतावनी

लदन(ए.)। पृथ्वी की सुरक्षा को लेकर इ्रूस के एक वैज्ञानिक ने गंभीर चेतावनी जारी की है। नासा की ग्रह रक्षा विशेषज्ञ Kelly Fast के अनुसार, पृथ्वी के आसपास

करीब 15,000 ऐसे अनदेखे एस्टेरॉयड्स मौजूद हैं, जिनसे निपटने का फिलहाल कोई ठोस उपाय नहीं है। इनमें से प्रत्येक एस्टेरॉयड एक पूरे शहर को तबाह करने की क्षमता रखता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, केली फास्ट ने कहा कि इन एस्टेरॉयड्स की जानकारी उन्हें रात को सोने नहीं देती। उन्होंने बताया कि सबसे बड़ी चिंता उन मध्यम आकार के एस्टेरॉयड्स को लेकर है, जो आकार में लगभग 500 फीट के होते हैं। ये इतने छोटे हैं कि इन्हें ढूंढ पाना मुश्किल है, लेकिन इतने बड़े भी हैं कि किसी क्षेत्र में भारी तबाही मचा सकते हैं। हालांकि, फास्ट ने स्पष्ट किया कि बहुत बड़े एस्टेरॉयड्स को लेकर वैज्ञानिक अपेक्षाकृत आश्वस्त हैं क्योंकि उनकी स्थिति का पता है। वहीं, छोटे पिंड अक्सर पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते रहते हैं और आमतौर पर गंभीर खतरा नहीं बनते।रिपोर्ट के अनुसार, इन मध्यम आकार के एस्टेरॉयड्स को 'शहर-नाशक' कहा जा रहा है, क्योंकि इनके टकराने से क्षेत्रीय स्तर पर भारी विनाश हो सकता है।

पंजाब में 'फर्जी एनकाउंटरों' में 924 लोगों की मौत, मानवाधिकार आयोग ने लगाया आरोप; न्यायिक जांच की मांग

इस्लामाबाद (ए)। पाकिस्तान मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने पंजाब प्रांत में देश के क्राइम कंट्रोल डिपार्टमेंट (सीसीडी) पर सुनियोजित तरीके से फर्जी मुठभेड़ों को अंजाम देने और न्यायेतर हत्याओं की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। आयोग का कहना है कि यह प्रवृत्ति कानून के शासन और संवैधानिक संरक्षण को गंभीर रूप से कमजोर करती है।

मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए एचआरसीपी ने बताया कि 2025 के आठ महीनों में सीसीडी के नेतृत्व में कम से कम 670 मुठभेड़ें दर्ज की गईं, जिनमें 924 संदिग्ध मारे गए, जबकि इसी अवधि में दो पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई। आयोग ने कहा, हताहतों में भारी असंतुलन-औसतन प्रतिदिन दो से अधिक घातक मुठभेड़ और विभिन्न जिलों में एक जैसी कार्यप्रणाली यह संकेत देती है कि यह अलग-थलग घटनाएं नहीं, बल्कि संस्थागत प्रथा है। इसलिए इन मौतों की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जानी चाहिए। एचआरसीपी ने पीड़ित परिवारों में भय के व्यापक माहौल का भी जिक्र किया। एक परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने उन्हें मृतक का तत्काल अंतिम संस्कार करने के लिए दबाव डाला और चेतावनी दी कि यदि मामले को आगे बढ़ाया गया तो अन्य परिजनों को भी निशाना बनाया जा सकता है। आयोग ने इसे आपराधिक

कृत्य और न्याय में बाधा बताया।रिपोर्ट में कहा गया है कि अपराध नियंत्रण के नाम पर पुलिस मुठभेड़ों का इस्तेमाल पाकिस्तान में लंबे समय से विवादित रहा है। खासकर पंजाब और सिंध में प्रांतीय सरकारें इसे अपराध और उग्रवाद से निपटने के लिए जरूरी कदम बताती रही हैं। हालांकि अदालतों, नागरिक समाज संगठनों और मानवाधिकार संस्थाओं ने बार-बार इन न्यायेतर हत्याओं और जवाबदेही की कमी पर चिंता जताई है।एचआरसीपी के अनुसार, सीसीडी की कार्रवाइयां संयुक्त राष्ट्र के 'कानून प्रवर्तन अधिकारियों द्वारा बल और आग्नेयास्त्रों के उपयोग के मूल सिद्धांतों' का पालन नहीं करतीं, जिनमें घातक बल का प्रयोग केवल अत्यंत आवश्यक और अनुपातिक परिस्थितियों में ही करने तथा उल्लंघनकर्ताओं को जवाबदेह ठहराने का प्रावधान है।रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि सीसीडी की प्रेस विज्ञप्तियों और प्राथमिकी में लगभग हर मामले में एक जैसा विवरण मिलता है कि संदिग्धों ने पहले गोली चलाई, पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और मारे गए लोग 'कुख्यात अपराधी' थे। आयोग ने इसे स्वतंत्र कार्रवाई के बजाय सुनियोजित संदेश का संकेत बताया। एचआरसीपी ने जोर देकर कहा कि टिकाऊ सार्वजनिक सुरक्षा, जांच, अभियोजन और न्यायिक जवाबदेही को दरकिनार कर 'घातक शॉर्टकट' अपनाने से हासिल नहीं की जा सकती।रिपोर्ट में प्रांत भर में सभी 'मुठभेड़ अभियानों' पर तत्काल रोक लगाने, स्वतंत्र जांच को अनिवार्य बनाने, दोषियों की जवाबदेही तय करने और संवैधानिक व अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुरूप संरचनात्मक सुधार लागू करने की मांग की गई है। आयोग ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो राज्य हिंसा का सामान्यीकरण पाकिस्तान की न्याय व्यवस्था, लोकतांत्रिक संस्थाओं और अंतरराष्ट्रीय छवि को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है।

खेल समाचार

जीरो पर आउट होने वाले अभिषेक शर्मा अब भी नंबर-1, ईशान किशन ने लगाई टॉप-10 में छलांग

नई दिल्ली (ए.)। आईसीसी (ICC) ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप यानी टी20 इंटरनेशनल की ताजा रैंकिंग जारी कर दी है। इस नई रैंकिंग में भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए सीधे टॉप 10 में अपनी जगह बना ली है। ईशान ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए 17 बल्लेबाजों को पछाड़कर 8वां स्थान हासिल किया है। वहीं, हैरान करने वाली बात यह है कि हालिया मैचों में यूएसए के खिलाफ शून्य पर आउट होने और अपना खाता तक न खोल पाने के बावजूद भारत के अभिषेक शर्मा 891 रेटिंग पॉइंट्स के साथ दुनिया के नंबर एक टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में निसंका और तिलक वर्मा का भी दबदबा

बल्लेबाजों की ताजा सूची में और भी कई दिलचस्प बदलाव देखने को मिले हैं। पहले नंबर पर अभिषेक और दूसरे पर इंग्लैंड के फिल सॉल्ट काबिज हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार शतक जड़ने वाले श्रीलंका के पाथुम निसंका तीन बल्लेबाजों को पीछे छोड़ते हुए तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। भारत के युवा स्टार तिलक वर्मा चौथे नंबर पर अपनी जगह पक्की करने में सफल रहे हैं। पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान दो पायदान खिसककर पांचवें, जबकि भारत के मिस्टर 360 डिग्री सूर्यकुमार यादव छठे स्थान पर हैं। इंग्लैंड के जोस बटलर को तीन स्थानों का नुकसान हुआ है और वह सातवें नंबर पर खिसक गए हैं। इनके अलावा न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट नौवें और ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ओपनर ट्रेविस हेड दसवें स्थान पर मौजूद हैं।

गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती का राज, ब्रैड इवांस ने किया हैरान

टी20 गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग पर नजर डालें तो भारत के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती मजबूती से नंबर एक की कुर्सी पर बैठे हुए हैं। अफगानिस्तान के जादुई स्पिनर राशिद खान ने एक पायदान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जबकि अबरार अहमद तीसरे और इंग्लैंड के आदिल रशीद चौथे स्थान पर हैं। जिम्बाब्वे के गेंदबाज ब्रैड इवांस ने सबसे ज्यादा हैरान करते हुए 10 खिलाड़ियों को पछाड़ा है और सीधे पांचवें नंबर पर कब्जा जमा लिया है। इनके अलावा वानिंदु हसरंगा छठे, जैकब डफी सातवें, एडम जम्पा आठवें, मुस्तफिजुर रहमान नौवें और मोहम्मद नवाज दसवें स्थान पर काबिज हैं।

सैम अय्यूब बने दुनिया के नंबर 1 ऑलराउंडर, हार्दिक पंड्या तीसरे स्थान पर

टी20 इंटरनेशनल ऑलराउंडर्स की बात करें तो यहां भी बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। सैम अय्यूब शानदार प्रदर्शन के दम पर जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा को पीछे छोड़ते हुए दुनिया के नंबर 1 टी20 ऑलराउंडर बन गए हैं। इस लिस्ट में भारतीय टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या तीसरे स्थान पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं।

स्कॉटलैंड के खिलाफ नेपाल को रोमांचक जीत दिलाने वाले दीपेंद्र सिंह ऐरी को भी इस प्रदर्शन का फायदा मिला है

रणजी ट्रॉफीः जम्मू-कश्मीर ने रचा इतिहास, मजबूत बंगाल को हराकर पहली बार फाइनल में जगह बनाई

कल्याणी (ए.) । जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। सेमीफाइनल में बंगाल जैसी मजबूत टीम को 6 विकेट से हराकर जम्मू-कश्मीर ने पहली बार रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाई है। बंगाल क्रिकेट अकादमी ग्राउंड, कल्याणी में खेले गए मुकाबले में जम्मू-कश्मीर को बंगाल के खिलाफ जीत के लिए 126 रन की जरूरत थी। जम्मू-कश्मीर ने 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। वंशराज शर्मा 43 और अब्दुल समद 30 रन बनाकर नाबाद रहे। दोनों के बीच 55 रन की नाबाद साझेदारी हुई।मैच पर नजर डालें तो जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। बंगाल की टीम ने सुदीप कुमार के 146, कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन के 49, शहबाज अहमद के 42 और सुमंता गुप्ता के 39 रन की बदौलत पहली पारी में 328 रन बनाए थे। जम्मू-कश्मीर के लिए आकिब नबी ने 5, सुनील कुमार ने 3, जबकि युदवीर सिंह और आबिद मुश्ताक ने 1-1 विकेट लिए।जम्मू-कश्मीर की पहली पारी 302 रन पर सिमटी थी। अब्दुल समद ने सर्वाधिक 82 रन बनाए थे। कप्तान पारस डोगरा ने 58, और आकिब नबी ने 42 रन बनाए थे। युदवीर सिंह ने भी 22 रन की पारी खेली थी।

टी20 वर्ल्ड कप : 15 बाउंड्री के साथ नाबाद शतक, पथुम निसांका ने तोड़े ये रिकॉर्ड्स

पल्लेकेले (आरएनएस)। श्रीलंका ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 में उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की। पथुम निसांका इस जीत के हीरो रहे, जिन्होंने 52 गेंदों में 5 छक्कों और 10 चौकों के साथ 100 रन की नाबाद पारी खेली। इसी के साथ निसांका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले साल 2014 में पाकिस्तान के उमर अकमल ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध 94 रन की पारी खेली थी।

इसी के साथ निसांका टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की तरफ से सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में संयुक्त रूप से नंबर-1 बन गए हैं। उनसे पहले, महेला जयवर्धने ने जिम्बाब्वे के विरुद्ध साल 2010 में 100 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा, जयवर्धने साल 2010 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 98 रन की नाबाद पारी खेल चुके हैं। तिलकरत्ने दिलशान ने साल 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 96 रन की नाबाद पारी खेली थी। निसांका ने इस मुकाबले में महज 52 गेंदों में शतक पूरा किया। वह साल 2025 में भारत के विरुद्ध दुबई में भी इतनी ही गेंदों पर शतक जमा चुके थे। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गेंदों के हिसाब से सबसे तेज शतक लगाने वाले श्रीलंकाई खिलाड़ियों में निसांका दूसरे पायदान पर हैं। इस लिस्ट में उनसे आगे सिर्फ कुसल परेरा हैं, जिन्होंने साल 2025 में न्यूजीलैंड के विरुद्ध 44 गेंदों में शतक जड़ा था।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान मिचेल मार्श (54) और ट्रेविस हेड (56) के बीच शतकीय साझेदारी के साथ 181 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 18 ओवरों में जीत हासिल कर ली।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 : सुपर-8 की जंग हुई तेज, एक ही झटके में बाहर हुई 3 टीमें; भारत ने भी किया क्वालीफाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का रोमांच अब अपने अगले चरण यानी सुपर-8 की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। टूर्नामेंट में कई टीमों के सफर के थमने का सिलसिला शुरू हो चुका है। चेन्नई में न्यूजीलैंड और कनाडा के बीच खेले गए ग्रुप डी के मुकाबले के बाद टूर्नामेंट में एक बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। न्यूजीलैंड ने इस मैच में कनाडा को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी, जिसके परिणाम स्वरूप एक ही झटके में तीन टीमों का सफर इस वर्ल्ड कप में खत्म हो गया है।

कनाडा की हार और 3 टीमों का टूटा सपना

ग्रुप डी से साउथ अफ्रीका की टीम पहले ही सुपर-8 के लिए अपनी जगह पक्की कर चुकी थी। अब कनाडा पर इस शानदार जीत के बाद न्यूजीलैंड ने भी दूसरे नंबर पर रहते हुए अगले दौर के लिए क्वालीफाई कर लिया है। साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के आगे बढ़ते ही ग्रुप डी की बाकी तीन टीमों की उम्मीदें पूरी तरह खत्म हो गई हैं। इस तरह सुपर-8 में पहुंचने का सपना टूटने वाली इन तीन टीमों में अफगानिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और कनाडा शामिल हैं, जिनका सफर अब यहीं समाप्त हो गया है।

ग्रुप सी से वेस्टइंडीज और इंग्लैंड ने मारी बाजी

सुपर-8 का टिकट सिर्फ ग्रुप डी की टीमों का ही पक्का नहीं हुआ है, बल्कि ग्रुप सी से भी तस्वीर बिल्कुल साफ हो चुकी है। इस ग्रुप से वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की टीमों ने सुपर-8 में मजबूती से प्रवेश कर लिया है। इन दोनों क्रिकेट बोर्ड के क्वालीफाई करते ही ग्रुप सी की बाकी तीन टीमों- स्कॉटलैंड, इटली और नेपाल का वर्ल्ड कप जीतने का सफर ग्रुप स्टेज की बाधा को पार नहीं कर सका और वे टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं।

भारत और श्रीलंका का भी सुपर-8 में प्रवेश

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप ए और ग्रुप बी की बात करें, तो दोनों ग्रुप के हालात फिलहाल एक जैसे ही नजर आ रहे हैं। इन दोनों ग्रुपों से अब तक केवल एक-एक टीम ने ही सुपर-8 स्टेज के लिए अपनी जगह पक्की की है। जहां ग्रुप ए से अजेय रहते हुए भारतीय टीम ने शान से क्वालीफाई किया है, वहीं ग्रुप बी से श्रीलंका ने अगले दौर का टिकट कटा लिया है। हालांकि, इन दोनों ग्रुपों में हाल ही में हुए कुछ बड़े उलटफेर के कारण दूसरी क्वालीफाइंग टीम के नाम के लिए क्रिकेट फैंस और खेल पंडितों का इंतजार थोड़ा बढ़ गया है।

टी20 विश्व कप में आज जिम्बाब्वे और श्रीलंका में होगा मुकाबला

कोलंबो(ए.)। मेजबान श्रीलंकाई टीम का मुकाबला गुरुवार को यहां टी20 विश्व कप क्रिकेट के मैच में जिम्बाब्वे से होगा। दोनो ही टीमें पहले ही सुपर-8 में पहुंच गयी हैं। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा। दोनो का लक्ष्य इस मैच को जीतकर ग्रुप बी में शीर्ष स्थान हासिल करना रहेगा। श्रीलंका ने यहां ओमान और आयरलैंड को हराया और फिर ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपनी ताकत दिखायी है। वहीं जिम्बाब्वे ने बड़ा उलटफेर करते हुए ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वहीं आयरलैंड के खिलाफ उसका मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया। जिससे उसे एक अंक मिला। इससे ऑस्ट्रेलिया की टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गया।

गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहता है रॉयल्स

मुम्बई (ए.)। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स 2026 सत्र में गौतम गंभीर को बड़ी जिम्मेदारी देना चाहत है। एक रिपोर्ट के अनुसार गंभीर को रायल्स सीईओ, पार्टनर और मेंटॉर बनाना चाहती है पर गंभीर इससे स्कीकार करेंगे। इसकी संभावनाएं काफी कम हैं। गंभीर अभी भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं और वे इसके लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं। ऐसे में वह कोच पद छोड़ेंगे। इसकी उम्मीद नहीं है। रिपोर्ट के अनुसार रॉयल्स का नया प्रबंधन गंभीर को अपने साथ जोड़ना चाहता है। इसका कारण है कि टीम का प्रदर्शन पिछले सत्र में अच्छा नहीं रहा है और प्रबंधन को उम्मीद है कि गंभीर उसमें बदलाव ला सकते हैं। उनके कोच रहते ही कोलकाता नाइट राइडर्स ने खिताब जीता था। रिपोर्ट के मुताबिक राजस्थान रॉयल्स के ज्यादातर शेयर धारक अपनी हिस्सेदारी नए मालिकान को बेच रहे हैं। डील हस्तांतरण के स्तर पर है। रिपोर्ट के मुताबिक फ्रेंचाइजी के 3 नए मालिकों में से एक ने गंभीर से संपर्क किया है।

केंद्रीय मंत्री किसानों को देते हैं झूठे आश्वासन, अमेरिका से किए मौन समझौते से किसानों को होगा नुकसान-डल्लेवाल

अमेरिका के दबाव में है भारत सरकार किसानों को पहुंचेगा आघात-अभिमन्यु

किसानों की मांग को लेकर देश के किसान संगठनों को करनी पड़ रही है जाग्रति यात्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। किसानों को अपनी एमएसपी सहित अन्य मांगों के लिए आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ता है। पीएम सहित केंद्र के कृषि मंत्री कहते हैं कि सरकार किसानों के हित में कार्य कर रही है। वहीं केंद्र सरकार अमेरिका के दबाव में जो समझौते कर रही है उससे किसानों का हित नहीं बहुत अहित होने वाला है। केंद्रीय मंत्री किसानों को झूठे आश्वासन देते हैं। कन्याकुमारी से संयुक्त किसान मोर्चा गैर.राजनीतिक की किसान जागृति यात्रा निकल रही है। यह बात पंजाब से आए देश के वरिष्ठ किसान जगजीत सिंह डल्लेवाल, लीलाधर राजपूत ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कही। तमिलनाडु के अभिमन्यु कोहाड़ ने कहा कि अमेरिका के दबाव में है भारत सरकार किसानों को नुकसान पहुंचाने में भी नहीं चूक रही है। इसी कारण यह यात्रा पूरे देश में निकल रही है। 19 मार्च को दिल्ली में बड़ा आंदोलन होगा। किसान किसानी मांगों पर गाँवों.गाँवों से पारित कराए गए प्रस्तावों की प्रतियां जगजीत सिंह डल्लेवाल को सौंप रहे हैं। श्री डल्लेवाल ने कहा है कि भारत.अमेरिका के मध्य हुए मुक्त व्यापार समझौते के तहत भारत के किसानों के हितों को आघात पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री तो आपके प्रदेश के हैं। फिर भी हमें बैतूल के किसानों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि उन्हें मक्का सहित अन्य फसलों के दाम बहुत कम मिले हैं। किसान नेताओं का कहना है कि भारत.अमेरिका के साझा वक्तव्य से स्पष्ट हो गया है कि अमेरिका के दबाव के सामने भारत की सरकार ने अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए भारतीय बाजार को खोलने की स्वीकृति दे दी है जिस से भारत के किसानों को बहुत अधिक नुक्सान होना है। उन्होंने कहा कि भारत के किसान ऐसे किसी भी मुक्त व्यापार समझौते को बर्दाश्त नहीं करेंगे। किसान नेता इटारसी में एक बड़ी सभा के बाद कृषि उपज मंडी में पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। जिसमें नर्मदांचल के अनेक किसान नेता शामिल रहे।

कन्याकुमारी से कश्मीर किसान जागृति यात्रा के प्रतिनिधि मंडल ने की पत्रकारों से चर्चा

क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के द्वारा आज मनाई जाएगी शिवाजी महाराज की जयंती

शिवाजी चौक पर एकत्रित होंगे शहर के गणमान्य नागरिक

नर्मदापुरम (निप्र)। पूर्व वर्षों की तरह क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के द्वारा आज गुरूवार को प्रात: 10 बजे से शिवाजी चौक पर छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती भक्ति भाव के साथ समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। इस संबंध में क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना के द्वारा विभिन्न निर्णय लिए गए हैं।आयोजन समिति के समाजसेवी कमल चव्हाण ने बताया कि शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर हर वर्ष की तरह संगठन के पदाधिकारी व सदस्यगण समय पर शामिल होकर जयंती समारोह में एकत्रित होंगे। इस मौके पर संगठन द्वारा एक प्रस्ताव पास कर जनप्रतिनिधियों से मांग की जाएगी कि शिवाजी चौक पर शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाई जाए। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज एक महान देशभक्त और कुशल प्रशासक रहे हैं। उनकी वीरता के किस्से पूरा देश ही नहीं विश्व जानता है। हर बड़े शहरों में शिवाजी महाराज की याद में मूर्ति की स्थापना की गई है। नर्मदापुरम भी संभाग मुख्यालय है। यहां पर भी देश भक्त शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाई जाना चाहिए। समाजसेवी सुशीला बाइसकर, जनार्दन आगौन, कमल राव चव्हाण, दिलीप सनस, प्रकाश राव, आकाश राव, प्रियांशु राव, प्रमोद राव, विजय हरणे, प्रीती आगौन, रोहित वाघमारे, व संगठन के अनेक सदस्यों ने सभी नागरिकों से शिवाजी महाराज की जयंती में शामिल होने का आव्हान किया है।

संसार में पृथ्वी के बाद सबसे बड़ी परिक्रमा माँ नर्मदा की है-आचार्य पं सोमेश परसाई

कल सेठानी घाट से श्रद्धाभाव के साथ शुरू होगी मां नर्मदा परिक्रमा यात्रा

डीजे मुक्त रहेगी परिक्रमा यात्रा, शोरशराबे से दूर आध्यात्मिक रहेगी परिक्रमा यात्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। आचार्य पं सोमेश परसाई के सान्निध्य मेँ आयोजित 20 फरवरी से 7 मार्च तक की जाने वाली माँ नर्मदा परिक्रमा के सम्बन्ध मेँ आयोजित पत्रकारवार्ता मेँ आचार्य श्री परसाईं ने कहा कि संसार मेँ तप करने के लिए यदि कोई सर्वश्रेष्ठ स्थान है तो वह केवल माँ नर्मदा का तट है। उन्होंने बताया कि इस परिक्रमा यात्रा में अनेक उद्देश्य समाहित किए जा रहे हैं। उनकी अनेक वर्षों से मां नर्मदा की परिक्रमा करने की इच्छा थी। पूरे की समयसारणी बनाकर यात्रा निकाली जा रही है। इस संबंध में उनके मार्गदर्शन में एक पुस्तक व प्रपत्र भी तैयार किया गया है।

'जनचेतना'

आचार्य श्री ने बताया कि परिक्रमा का उद्देश्य केवल धर्मलाभ नहीं है अपितु परिक्रमा के माध्यम से यत्र तत्र सभी को माँ नर्मदा के शुद्धिकरण के लिए जागरूक करना भी है।

'पर्यावरण संरक्षण'

उन्होंने बताया कि सभी परिक्रमाकर्ता अपने साथ शुद्ध ताम्बे के सिक्के रखेंगे जो कि नित्य नर्मदा जी में प्रवाहित किये जायेंगे। मां नर्मदा जी के विभिन्न तटों पर पौधारोपण होगा साथ ही वृक्षों के बीजों का भी सिंचन होगा।

'आध्यात्मिक चेतना'

आचार्य परसाई ने बताया कि परिक्रमा लगभग 21 दिनों कि रहेगी जिसमे कार्यक्रम कि रूपरेखा धर्ममय है जिसमे प्रात: ब्रह्म मुहूर्त मे उठने के बाद से धार्मिक अनुष्ठान प्रारम्भ हो जायेंगे प्रात: श्लोक संध्योपासना हवन रुद्राभिषेक एवं धर्म चर्चा होंगी।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डन पाडेय की उपस्थिति में कांग्रेसियों ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम। काननू एवं यातायात व्यवस्था के बिगड़े हालत पर कांग्रेसियों ने जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवाकांत पांडेय गुड्डन पांडेय की उपस्थिति में एसपी को ज्ञापन सौंपा। कांग्रेंसियों ने बताया कि बिगडी हुई कानून व्यवस्था और बेतरतीब हो चुकि शहर कि यातायात व्यवस्था को लेकर काँग्रेसियो ने एस पी साँई कृष्णा एस थोटा को ज्ञापन सौंपा। जि़ला अध्यक्ष गुड्डन पाण्डेय ने पूर्व में पिपरिया रोड पर एक पेट्रोल पंप व्यवसायी के साथ रेत खदान के गुंडो द्वारा कि गई मारपीट का हवाला देते हुऐ बताया कि इस घटना से शहर के आम नागरिको के बीच शहर कि कानून व्यवस्था को लेकर भय कि स्तिथि बनी हुई है पूर्व ब्लाक अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी ने शहर में जगह जगह अतिक्रमण के कारण अस्त व्यस्त पडी यातायात के विषय को उठाया ज्ञापन देने वालो में मुख्य रूप से नेता प्रतिपक्ष अनोखे राजौरिया, अजय सैनी, फैज़ान उल हक संतोष तोमर, बबलू राठौर, राजेन्द्र मिश्रा, मंजूल मणि ढिमोले लखन रघुवंशी गुलाम हैदर, गुलाम मुस्तुफा आनंद थापक आयुष्मान अवस्थी कपिल यादव जमील खान प्रताप ठाकुर रिज़वान खान अजय शर्मा कीर्ति मिश्रा हेमंत चौधरी कन्हैय्या गोस्वामी जितेन्द्र गोरेले अमित खत्री ऋतिक चौहान हर्ष मलैया जागेश यादव, प्रकाश यादव सलीम खान विजय यादव कीर्ति मिश्रा सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

नर्मदापुरम जिला भाईचारे एवं सौहार्द का प्रतीक, सभी त्यौहार शातिपूर्ण एवं आपसी सद्भाव से मनाएं : कलेक्टर सोनिया मीना

जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता, इसमें किसी भी प्रकार से कोई समझौता नहीं किया जाएगा

त्यौहारों पर साफ - सफाई, पेयजल, बिजली आपूर्ति का विशेष ध्यान रखें संबंधित विभाग

नर्मदापुरम (निप्र)। आगामी त्यौहारों पर कानून व्यवस्था के संबंध में मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी नर्मदापुरम सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांति समिति के सदस्यों द्वारा आगामी पर्वो पर आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई एवं सुझाव दिए गए। बैठक में कलेक्टर सुश्री मीना द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि आगामी त्यौहारो को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस, ट्रैफिक, आबकारी, होमगार्ड आदि विभाग अलर्ट मोड पर रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए की घाटों पर होमगार्ड विभाग द्वारा पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि घाटों पर स्नान दान एवं धार्मिक आयोजनों के दौरान होमगार्ड के जवान एवं गोताखोर उपस्थित रहे। कलेक्टर ने आगामी होली एवं धूलेंडी त्यौहार को दृष्टिगत रखते हुए निर्देश दिए कि अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मैरिज गार्डन आदि में खेली जाने वाली होली एवं रंग पंचमी पर्वों के दिन विशेष चौकसी रखी जाए। उन्होंने निर्देशित किया की समस्त अनुभागीय अधिकारी राजस्व अन्य विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने नगर पालिका अधिकारी को निर्देश दिए कि आगामी सभी पर्वों पर स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाए। त्योहारों के दौरान पेयजल, विद्युत आपूर्ति की भी बेहतर व्यवस्था रहें। कलेक्टर सुश्री मीना ने नगर पालिका अधिकारी, एसडीओपी एवं सिटी मजिस्ट्रेट को निर्देश दिए की आगामी पर्वों एवं त्योहार को देखते हुए जुलूस एवं चल समारोह के रूट, घाटों का भ्रमण कर वहां पर आवागमन एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओ का निरीक्षण कर उन्हे दुरुस्त कर लें। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी अनुविभागों में आवश्यक प्रतिबंधात्मक आदेश भी जारी किए जाएं।किसी भी स्थिति में ट्रैफिक जाम मार्ग अवरोध जैसी परिस्थिति उत्पन्न ना हो इस बात का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि डीजे एवं अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का नियमानुसार एवं अनुमत्य सीमा में तथा कम से कम उपयोग हो। उन्होंने स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि बोर्ड परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए त्योहार पर अनुमत्य सीमा से अधिक तथा बिना अनुविभागीय अधिकारी की लिखित सहमति के बिना डीजे का संचालन न हो। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डीजे संचालकों के साथ संयुक्त रूप से बैठक कर बोर्ड परीक्षाओं तथा डीजे के संचालन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी कर दें। अनुमत्य सीमा से अधिक आवाज पर डीजे संचालन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करते हुए वाहन तथा डीजे को जप्त करें। डीजे संचालकों को दी जाने वाली अनुमति पर भी स्पष्ट रूप से उपयोग तथा निर्धारित समय सीमा का उल्लेख कर दिया जाए।

माया (दफ़ीना) एवं गड़ा सोना निकालने के नाम पर 1 करोड़ 4 लाख की धोखाधड़ी करने वाला ठग आया पुलिस की गिरफ्त में

नर्मदापुरम। पुलिस अधीक्षक जिला नर्मदापुरम साई कृष्णा एस थोटा के मार्गदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम अभिषेक राजन एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जितेंद्र पाठक के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार धोखाधड़ी के अपराधो की गुत्थी सुलझाने में सफलता प्राप्त हो रही है।

गत दिवस 17 फरवरी को 'फरियादी राकेश कुमार वर्मा पिता हरप्रसाद वर्मा उम्र 63 वर्ष नि0 मदन कॉलोनी नर्मदापुरम' द्वारा 'अनावेदक अंकित शर्मा पिता विपिन शर्मा नि0 आदर्श नगर आईटीआई नर्मदापुरम के विरुद्ध (दफ़ीना) निकलाने और उसका सोना पकड़ा जाने के बाद जेल जाने से बचा लेने के नाम पर 'धोखाधड़ी कर ऑनलाइन एवं ऑफलाइन ; नगद रूपये के माध्यम से करीबन 1 करोड़ 4 लाख रूपये' की धोखाधड़ी करने संबन्धित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया था। उक्त शिकायत के संज्ञान पर मामला गंभीर प्रकृति का पाया जाने पर त्वरित जांच की जाकर पाया गया की अनावेदक अंकित शर्मा पूर्व में आवेदक का कार चालक था। अनावेदक द्वारा आवेदक से अच्छे व्यवहार बनाकर आवेदक को तंत्र मंत्र, दफ़ीना ; माया का गढ़ा हुआ सोना निकालने की कहानियाँ सुनाकर आवेदक को अपने साथ उसके घर ले जाकर खुदाई की गयी। खुदाई में एक पोटली निकालकर बिना खोले आवेदक को पुलिस का डर दिखाकर आवेदक के घर में तिजोरी मे रखवा दी गई। करीबन 07.-08 दिन बाद अनावेदक द्वारा 'आवेदक को उज्जैन के काल्पनिक महाराज की मनगढ़ंत कहानी सुनायी गई' एवं उक्त पोटली के संबंध में पुलिस को सूचना मिलने पर अनावेदक द्वारा नकली राकेश वर्मा को पुलिस के सामने पेश करने की कहानी सुना कर लाखों रुपये ले लिए, कुछ दिन बाद उक्त साधु की हत्या होने की मनगढ़ंत घटना की कहानी सुनाकर आवेदक को भयभीत किया जाकर अनावेदक द्वारा आवेदक से करोड़ो रूपये की धोखाधड़ी करना पाया गया। आवेदक राकेश कुमार वर्मा, अनावेदक अंकित शर्मा की मंगढ़त कहानियो से भयभीत होकर आवेदक द्वारा ऑनलाइन, नगदी एवं गोल्ड लोन आदि के माध्यम से आरोपी अंकित शर्मा द्वारा 1,04,14,150रूपये. के विरुद्ध थाना कोतवाली नर्मदापुरम में 'अपराध क्रमांक 156,2026 धारा 308,6,308;7,318;4 भारतीय न्याय संहिता' के तहत पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। प्रकरण में आरोपी अंकित शर्मा पिता विपिन शर्मा नि0 आदर्श नगर आईटीआई नर्मदापुरम को पुलिस हिरासत में लिया जाकर पूछताछ की जा रही है। प्रकरण वर्तमान मे विवेचना के अंतर्गत है।इस कार्रवाई में मुख्य भूमिका' निरीक्षक कंचन सिंह.थाना प्रभारी थाना कोतवाली नर्मदापुरम, सउनि0 संजय रघुवंशी, प्र0आर0 583 रितेश यदुवंशी, आर 42 अजमेश चंद्रोल आर0 717 रवि कुशवाह आर0 771 हरीश, आर0 651 अविनाशी एवं आर0 285 रामकुमार वर्मा की रही।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग विशेष प्रतिवेदक द्वारा वन स्टाप सेंटर नर्मदापुरम का किया गया निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रशासक वन स्टॉप सेंटर नर्मदापुरम ने बताया कि बुधवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग विशेष प्रतिवेदक सुभाष चन्द्रा के द्वारा वन स्टाप सेंटर नर्मदापुरम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री चन्द्रा ने वन स्टाप सेंटर में उपस्थित पीड़िताओं को परामर्श दिया तथा हितग्राहियों को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान श्री चन्द्रा ने वन स्टाप सेंटर के स्टाफ का परिचय प्राप्त कर, उनके द्वारा किये जा रहे कार्यो की विस्तृत जानकारी ली। उनके द्वारा वन स्टाप सेंटर में सचांलित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए पीड़िताओं को त्वारित सहायता, परामर्श एवं संरक्षण प्रदान किये जाने वाले प्रयासों की सराहना की।

जीवोदया संस्था द्वारा 'बाल संरक्षण एवं एडवोकेसी' पर बहु-हितधारक प्रशिक्षण आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। जीवोदया संस्था, बंगलिया (इटारसी) द्वारा 'बाल संरक्षण एवं एडवोकेसी' विषय पर एक दिवसीय बहु-हितधारक (Milti-Stakeholder) प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बाल अधिकारों की सुरक्षा को सुदृढ़ करना तथा विभिन्न शासकीय विभागों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना था, ताकि बच्चों के संरक्षण से जुड़े मामलों में त्वरित एवं संवेदनशील कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की डायरेक्टर सिस्टर क्लारा द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बच्चों के सुरक्षित एवं सम्मानजनक भविष्य के लिए सभी संबंधित विभागों का एक साझा मंच पर आना अत्यंत आवश्यक है।प्रशिक्षण के मुख्य संसाधन व्यक्ति (Resource Person) के रूप में महिला एवं बाल विकास विभाग (WCD) से आशु पटेल उपस्थित रहे।

"भारतीय पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ

नर्मदापुरम (निप्र)। बुधवार को शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी मालवा में भारतीय पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। शुभारंभ सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती माया नारोलिया (राज्यसभा सांसद) उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में श्रीमती प्रीति शुक्ला, रितेश जैन (नगर पालिका अध्यक्ष), संतोष पारिख, नीरज तिवारी, डॉ. उमेश कुमार धुर्वे (प्राचार्य), डॉ. आर के रघुवंशी, श्रीमती संगीता यादव (बीआरसी), श्रीमती मालती गौर, संतोष शर्मा, डॉ. ए के यादव सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना से हुआ। तत्पश्चात प्राचार्य डॉ. उमेश कुमार धुर्वे ने अपने स्वागत भाषण में सभी अतिथियों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए सेमिनार की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। सेमिनार के संयोजक प्रोफेसर रजनीश जाटव ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विभिन्न शैक्षणिक सत्रों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। नगर पालिका अध्यक्ष रितेश जैन ने महाविद्यालय परिवार को सीमित संसाधनों में उत्कृष्ट आयोजन हेतु बधाई दी।

सुखतवा महाविद्यालय में रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सम्पन्न, 229 युवाओं को मिला लाभ

रोजगार मेला एक पुल है जो शिक्षा और रोजगार को जोड़ता है- प्राचार्य डॉक्टर नीता राजपूत

नर्मदापुरम। केंद्र एवं प्रदेश शासन की योजना के अनुसार जिले में रोजगार कार्यालय के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार मेला का आयोजन हर माह अलग अलग स्थानों पर हो रहा है। कलेक्टर सोनिया मीना के निर्देशानुसार भगवान बिरसा मुंडा शासकीय महाविद्यालय सुखतवा में बुधवार 18 फरवरी को रोजगार एवं स्वरोजगार मेला सफलतापूर्वक समापन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ नायब तहसीलदार हीरू कुमरे प्राचार्य डॉ नीता राजपूत, रोजगार अधिकारी श्याम कुमार धुर्वे एवं प्लेसमेंट ऑफिसर धर्मेश तिवारी एवं श्रीमती कामधेनु पटोदिया की विशेष उपस्थिति में सुखतवा के महाविद्यालय में रोजगार एवं स्वरोजगार मेला आयोजित हुआ।

इस अवसर पर नायब तहसीलदार श्री कुमरे ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाना है जिससे युवा वर्ग उन्नति की ओर बढ़े। साथ ही मेले में शामिल सभी युवाओं के लिए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की। प्राचार्य डॉक्टर नीता राजपूत ने कहा कि युवा संगम के माध्यम से आज आत्मनिर्भरता का दीप प्रज्वलित होने जा रहा है शासन की रोजगार परक योजनाओं में स्वरोजगार, रोजगार एवं प्रशिक्षण एक ही स्थान पर प्राप्त हो रहा है।

रोजगार मेला एक पुल है जो शिक्षा और रोजगार को जोड़ता है। रोजगार मेले में शासकीय विभागों के साथ प्रतिष्ठित कंपनियों ने युवाओं को रोजगार हेतु जॉब ऑफर की। मुख्य अतिथि द्वारा स्टॉल भ्रमण कर चर्चा की जिससे अधिक से अधिक रोजगार एवं स्वरोजगार प्रदान किया जा सके। मेला में कुल 300 छात्र एवं छात्राएं उपस्थित हुए। मेले में कंपनी एवं शासकीय विभागों ने स्टॉल लगाए। जिसमें से कंपनी द्वारा 219 छात्र.छात्राओं को प्राथमिकता स्तर पर चयनित किया गया एवं स्वरोजगार योजना के तहत 10 को लाभान्वित किया गया। कुल 229 छात्र एवं छात्राओं को लाभान्वित किया गया। स्वस्थ्य विभाग द्वारा 72 छात्र एवं छात्राओं की जॉच की गयी डॉक्टर अपेक्षा भावसार डॉ विवेक वर्मा श्रीमती शीला काजले, श्रीमती गीता राजपूत, त्रिलोक मनवारे सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com